A Daily News Magazine
भोपाल
शुक्रवार, 24 अक्टूबर, 2025

सुबह सवेरे

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 23, अंक 54, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

'हर घर सरकारी नौकरी': हकीकत से कितना दूर तेजस्वी का वादा?

मोहन कुमार

बिहार जाति आधारित गणना 2022-23 की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रदेश की कुल आबादी लगभग 13 करोड़ 7 लाख है। राज्य में 2 करोड़ 76 लाख परिवार रहते हैं। सर्वेक्षण के अनुसार, प्रदेश में सरकारी कर्मचारियों की संख्या राज्य की जनसंख्या का मात्र 1.57 प्रतिशत यानी 20 लाख 49 हजार है, जिनमें केंद्रीय कर्मचारी भी शामिल होंगे। अगर इन लोगों को अलग-अलग परिवारों से माना जाए तब भी तेजस्वी को 2 करोड़ 55 लाख परिवारों को नौकरियां देनी होगी।

अब, अगर तेजस्वी को अपना वादा निभाना है, तो राज्य सरकार को सरकारी नौकरियों की संख्या में 13 गुने की बढ़ोतरी करनी होगी, जिससे सरकार का सैलरी पर खर्च भी उसी अनुपात में बढ़ जाएगा। 2025-26 में बिहार सरकार ने बजट में सिर्फ सैलरी पर 51,690 करोड़ खर्च का अनुमान लगाया है। अगर इस रकम को 13 से गुणा करें, तो यह 6.71 लाख करोड़ होता है, जो कि 2025-26 के कुल बजट 3.16 लाख करोड़ का दोगुना से भी ज्यादा है।

अर्थशास्त्री और पटना कॉलेज के पूर्व प्राचार्य प्रो. नवल किशोर चौधरी इसे पॉलिटिकल स्टंट करार देते हुए कहते हैं कि ये नामुमकिन है।

'प्रदेश में करीब 3 करोड़ परिवार हैं। उतने पद स्वीकृत ही नहीं हैं, वैकेंसी की तो बात ही छोड़ दीजिए। अगर आप पद सृजित करते भी हैं, तो इसके पीछे तर्क होना चाहिए। राज्य के खजाने पर अतिरिक्त भार पड़ेगा, जिससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था ध्वस्त हो जाएगी।'

हालांकि, एएन सिन्हा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल स्टडीज, पटना के पूर्व निदेशक डीएम दिवाकर का मानना है कि ये संभव है। वे कहते हैं, 'बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर (सड़क, बिजली, इत्यादि) पर जितना खर्च होना था वो हो चुका है। उसपर खर्चे के लिए जो बजट आता था, वो तो बचेगा। जिसे इसमें लगाया जा सकता है।'

तेजस्वी ने सरकार बनने के 20 महीने में सभी परिवारों को नौकरी देने का लक्ष्य रखा है। प्रो. नवल किशोर चौधरी कहते हैं, 'एक तरफ सरकारी विभागों में रिफॉर्म के नाम पर नौकरी में कटौती हो रही है। ऐसे में सिर्फ नौकरी देकर पैसे तो नहीं बांटे जा सकते। जिन लोगों को नौकरी दी जाएगी, उनसे क्या काम लिया जाएगा? हालांकि, इसमें कोई कानूनी बंधन नहीं है, लेकिन क्या यह टिकाऊ है? इसे लागू कैसे करेंगे? एक्शन प्लान कहा हैं? सिर्फ एक लक्ष्य निर्धारित कर देने से तो नहीं होगा। जनता को ब्लू प्रिंट मांगना चाहिए। ये सूर्य पर जाने के बराबर है।'

इस साल बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने बताया था कि साल 2024-25 में सरकारी क्षेत्र में कुल 4 लाख 27 हजार 866 नियुक्तियां की गई हैं, जबकि 23 हजार 707 पदों पर नियुक्तियां प्रक्रियाधीन है। हीं साल 2025-26 में करीब 1.40 लाख नई नियुक्तियां की जाएंगी।

सरकारी क्षेत्र में नियुक्तियों का दो साल (2024-25 और 2025-26) का औसत देखें तो करीब 3 लाख होता है। सत्ता में आने के बाद अगर तेजस्वी हर साल 3 लाख नौकरी भी देते हैं तो उन्हें बिना सरकारी नौकरी वाले परिवारों के एक-एक सदस्य को नौकरी देने में 85 साल लेंगे। हालांकि, वे 17 महीने (अगस्त 2022 से जनवरी 2024) में 5 लाख लोगों को नौकरी देने का दावा करते हैं। इसके मुताबिक, हर महीने 29 हजार लोगों को नौकरियां दी गई। अगर इस रफ्तार से भी वे नौकरियां देते हैं, तब भी 73 साल लगेंगे।

बिहार में शिक्षकों के ढाई लाख से ज्यादा पोस्ट खाली हैं। एक अप्रैल 2025 को केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के सामने बिहार सरकार ने खुद ये जानकारी दी थी। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के सामने बिहार सरकार ने राज्य समग्र शिक्षा की वार्षिक कार्य योजना रिपोर्ट में कहा था-

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2024 में सामान्य प्रशासनिक विभाग की ओर से जुटाए गए आंकड़े के मुताबिक, राज्य सरकार के 45 विभागों में सरकारी कर्मियों के कुल 16.26 लाख पद स्वीकृत हैं, जिनमें से 4.72 लाख पोस्ट खाली थे। अगस्त, 2025 में बिहार राज्य स्वास्थ्य समिति ने 5 हजार पदों पर एएनएम की भर्ती के लिए विज्ञापन निकाला था। इससे पहले अप्रैल में बिहार तकनीकी सेवा आयोग ने 11 हजार पदों पर स्टाफ नर्स की वैकेंसी निकाली थी।

इससे पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अगले पांच साल में (2025 से 2030) 2020-25 के लक्ष्य को दोगुना करते हुए एक करोड़ युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित किया था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर एक ट्वीट में उन्होंने कहा, 'इसके लिए निजी विशेषकर औद्योगिक क्षेत्रों में भी नौकरी एवं रोजगार के नए अवसर सृजित किए जाएंगे। इसे लेकर एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया जा रहा है।' सरकार ने 2020 में सात निश्चय-2 के तहत 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी और 10 लाख लोगों को रोजगार देने का संकल्प लिया था। बाद में इसे बढ़ाकर अगस्त 2025 तक 12 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी और 38 लाख लोगों को रोजगार का लक्ष्य निर्धारित करते हुए कुल 50 लाख नौकरी/रोजगार देने का लक्ष्य रखा था।

अपने ट्वीट में सीएम नीतीश ने दावा करते हुए कहा, 'मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि राज्य में अब तक 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी और लगभग 39 लाख लोगों को रोजगार दिया जा चुका है।'

वादों और दावों के बीच असल बात रोजगार सृजन की होनी चाहिए। जाति आधारित गणना में 6000 रुपये से कम मासिक आय वाले परिवार को गरीब माना गया है। 34.13 प्रतिशत परिवार इस श्रेणी में हैं। प्रदेश में संगठित क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों की संख्या 15.9 लाख है, जो कि जनसंख्या का 1.22 प्रतिशत है। वहीं 27.9 लाख या 2.14 प्रतिशत लोग असंगठित क्षेत्रों में काम करते हैं। 1.07 करोड़ लोग किसान या कृषि सहायक के रूप में काम करते हैं, जो जनसंख्या का 7.7 प्रतिशत है। जबकि 2.18 करोड़ या 16.73 प्रतिशत लोग लोग मजदूर के रूप में काम करते हैं।

आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2023-24 में बिहार में प्रति व्यक्ति आया 66,828 रुपये है, जो कि देश के अन्य राज्यों की तुलना में बेहद कम है। ऐसे में रोजगार सृजन और लोगों की आर्थिक स्थिति बेहतर करने के लिए प्रदेश में अधिक से अधिक निवेश की जरूरत है। ऐसे में 'हर घर सरकारी नौकरी' का तेजस्वी ने जो वादा किया है, उसके लिए प्रदेश में बड़े स्तर पर आर्थिक सुधार की भी जरूरत होगी।

(दि क्विंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

मप्र भाजपा की नई टीम घोषित

लता वानखेड़े, सुमेर सोलंकी समेत 4 महामंत्री, 9 उपाध्यक्ष, आशीष अग्रवाल दोबारा मीडिया प्रभारी बने

भोपाल (नप्र)। भाजपा की मध्य प्रदेश कार्यकारिणी घोषित कर दी गई है। इसमें नौ उपाध्यक्ष, चार महामंत्री और नौ मंत्री बनाए गए हैं। एमपी बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की टीम का ऐलान हो गया है। गुरुवार को भाजपा केंद्रीय मुख्यालय से सूची जारी की गई है। टीम हेमंत में लता वानखेड़े, सुमेर सोलंकी, गौरव रणदिवे और राहुल कोठारी बने प्रदेश महामंत्री बनाया गया है। खंडेलवाल के अध्यक्ष बनने के 3 महीने 21 दिन बाद टीम घोषित की गई है।

मौजूदा मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल को दोबारा मौका दिया गया है। अग्रवाल को विधानसभा चुनाव से पहले लोकेंद्र पाराशर को हटाकर जिम्मेदारी सौंपी गई थी। रीवा संभाग के संगठन मंत्री रहे श्याम महाजन को प्रदेश कार्यालय मंत्री बनाया गया है। अखिलेश जैन कोषाध्यक्ष बनाए गए हैं। चार मोर्चों के अध्यक्ष भी बदले गए हैं।

वीडी शर्मा की टीम में प्रदेश महामंत्री के तौर पर काम कर चुके पूर्व विधायक रणबीर सिंह रावत अब उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। मनीषा सिंह का प्रमोशन हुआ है बीजेपी की प्रदेश मंत्री और विधायक मनीषा सिंह ,शैलेंद्र बरुआ प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए गए। सीएम के करीबी प्रभुलाल जाटव और ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थक पूर्व मंत्री प्रभुराम चौधरी प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए गए हैं।कांत देव सिंह एक बार फिर से प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। मध्य प्रदेश युवा कल्याण आयोग के पूर्व अध्यक्ष निशांत खरे भी उपाध्यक्ष बने हैं।

टीम हेमंत में 9 उपाध्यक्ष, 4 महामंत्री, 9 मंत्री

नाम	पद
रणबीर रावत	उपाध्यक्ष (पहले महामंत्री रहे)
कांतदेव सिंह	उपाध्यक्ष(पहले भी उपाध्यक्ष रहे)
प्रभुराम चौधरी	उपाध्यक्ष
शैलेंद्र बरुआ	उपाध्यक्ष
मनीषा सिंह	उपाध्यक्ष (पहले प्रदेश मंत्री रहीं)
नंदिता पाठक	उपाध्यक्ष
सुरेंद्र शर्मा	उपाध्यक्ष
निशांत खरे	उपाध्यक्ष
प्रभुलाल जाटव	उपाध्यक्ष
लता वानखेड़े	महामंत्री (पहले प्रदेश मंत्री रहीं)
सुमेर सोलंकी	महामंत्री
राहुल कोठारी	महामंत्री (पहले प्रदेश मंत्री रहे)
गौरव रणदिवे	महामंत्री
रजनीश अग्रवाल	मंत्री (पहले भी मंत्री रहे)
लोकेंद्र पाराशर	मंत्री (पहले भी मंत्री रहे)
जयदीप पटेल	मंत्री (पहले भी मंत्री रहे)
क्षितिज भट्ट	मंत्री (पहले भी मंत्री रहे)
संगीता सोनी	मंत्री
राजेंद्र सिंह	मंत्री
अर्चना सिंह	मंत्री
राजो मालवीय	मंत्री
बबीता परमार	मंत्री
अखिलेश जैन	कोषाध्यक्ष (पद पर यथावत)
श्याम महाजन	कार्यालय मंत्री (पहले उपाध्यक्ष रहे)
आशीष अग्रवाल	मीडिया प्रभारी (पद पर यथावत)
रणबीर रावत	महामंत्री से उपाध्यक्ष बने

आसियान समिट में ट्रम्प से नहीं मिलेंगे मोदी

जयशंकर मलेशिया जाएंगे, कांग्रेस बोली- ट्रम्प से मिलने से बचना चाहते हैं

नई दिल्ली/कुआलालंपुर (एजेंसी)। आसियान समिट में मोदी-ट्रम्प की मुलाकात नहीं होगी। पीएम मोदी का मलेशिया दौरा टल गया है। मलेशिया के

प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी।

पीएम इब्राहिम ने लिखा- आज पीएम मोदी का फोन आया। हमने भारत-मलेशिया के संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा की। हमने इस दौरान आसियान समिट पर भी बात की। मोदी ने मुझे बताया कि वे इस समिट में ऑनलाइन हिस्सा लेंगे। पीएम मोदी की जगह इस बार विदेश मंत्री एस जयशंकर इस समिट में हिस्सा लेंगे।

सीएम ने मुख्यमंत्री निवास पर बहनों के साथ मनाया भाईदूज पर्व

बहनों की मुस्कान ही सरकार की पूंजी है : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भाईदूज हमारी भारतीय संस्कृति की आत्मा है। यह पर्व भाई और बहन के सहोदर स्नेह, परस्पर अपनत्व का प्रतीक है। भाईदूज भाई-बहन के पवित्र बंधन के नैसर्गिक संरक्षण और पारिवारिक जीवन मूल्यों को मजबूत बनाता है। यह पर्व भारतीय समाज की उस देशज परम्परा का निर्वहन है, जहां बहन के स्नेह में भाई का नैतिक दायित्व और जीवन पर्यन्त रक्षा का संकल्प निहित होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाईदूज का यह पर्व न केवल भाई-बहन के स्नेह का उत्सव है, बल्कि सामाजिक एकता, नारी सम्मान के साथ हमारे पारिवारिक जीवन मूल्यों के संरक्षण का प्रतीक भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास परिसर में आयोजित (भातृ द्वितीया/यम द्वितीया) भाईदूज के विशेष कार्यक्रम में बहनों को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बहनों के साथ आत्मीय संवाद कर सभी को भाईदूज की शुभकामनाएं दीं। प्रदेश की बहनों के साथ संवाद के दौरान उनसे राज्य सरकार की योजनाओं, उपलब्धियों और भावी प्राथमिकताओं की जानकारी भी साझा की। उन्होंने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे लाड़ली बहनों के रूप में 1 करोड़ 26 लाख से अधिक बहनें मिली हैं। हम बहनों के जीवन में नई रोशनी, नई खुशी जोड़ रहे हैं। प्रदेश की सभी लाड़ली बहनों को अब हर माह 1500 रुपए मिलेंगे। बहनों के लिए सरकार के खजाने में कोई कमी नहीं है। बहनों के शब्द और उद्गार सुनकर अभिभूत हूं। हमारी बहनें लक्ष्मी, सरस्वती और पार्वती का समग्र रूप हैं। मध्यप्रदेश देश का पहला ऐसा प्रदेश है, जहां लाड़ली बहना योजना से हमारी बहनें हर महीने राखी और भाईदूज मनाती हैं। उन्होंने कहा कि लाड़ली बहना योजना प्रदेश की बहनों की समृद्धि का सीधा मार्ग है।

मुख्यमंत्री निवास बना लाड़ली बहनों का मायका : श्रीमती गौर

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि आज मुख्यमंत्री निवास प्रदेश की लाड़ली बहनों का मायका बना है। भाईदूज ऐसा पर्व है जिसमें भाई अपनी बहनों के लिए रक्षा, सुरक्षा और मान सम्मान का संकल्प लेता है। लाड़ली बहना योजना से बहनों का घर परिवार में सम्मान बढ़ने लगा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह संकल्प लिया है कि अब प्रदेश की बहनें मजबूरी का नहीं, मजबूती का जीवन जी रही हैं। ये बहनों का गर्व है कि प्रदेश को ऐसे संवेदनशील मुख्यमंत्री मिले हैं। राज्य सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सपने को साकार कर रही है।

लाड़ली बहनों को भाई दूज पर नहीं मिले 250 रुपए, सीएम बोले- अगले महीने 1500 देंगे

मध्य प्रदेश में लाड़ली बहनों को भाई दूज पर मिलने वाले 250 रुपए नहीं दिए गए। भोपाल में मुख्यमंत्री निवास पर गुरुवार को हुए लाड़ली बहना कार्यक्रम के दौरान यह राशि ट्रांसफर की जानी थी। प्रदेश भर से लाड़ली बहनों को इस उम्मीद के साथ सीएम निवास बुलाया गया था। जब लाड़ली बहनें कार्यक्रम में पहुंचीं तो मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि एक करोड़ 26 लाख बहनों के बैंक खातों में 250 रुपए की किस्त अगले महीने जमा होगी। साथ ही 1250 रुपए की राशि बढ़कर 1500 रुपए की जा रही है, ये राशि भी नवंबर से हर महीने दी जाएगी।

महागठबंधन की बैठक में गहलोत का ऐलान

तेजस्वी सीएम तो मुकेश सहनी डिप्टी सीएम पद के उम्मीदवार

नई दिल्ली/पटना (एजेंसी)। बिहार चुनाव के लिए महागठबंधन का सीएम चेहरा आरजेडी प्रमुख तेजस्वी यादव होंगे। कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने महागठबंधन की जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसका ऐलान किया। उन्होंने कहा कि अगर हमारी सरकार बनी तो उपमुख्यमंत्री मुकेश सहनी होंगे। उप मुख्यमंत्री और भी लोग बनाए जाएंगे, जो पिछड़े समुदाय से होंगे।

गहलोत ने कहा कि हमारा नेता तो तेजस्वी यादव हैं। एनडीएम बताए कि उनका सीएम फेस कौन होगा। सिर्फ नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ेंगे, कहने से नहीं चलेगा। ऐलान के बाद तेजस्वी यादव ने कहा कि मुझ पर फिर से भरोसा जताया है। सभी का दिल से धन्यवाद है। सबसे कहना चाहता हूं कि जो विश्वास जताया है, उस पर खरा उतरेंगे। 20 साल पुरानी निकम्मी सरकार को उखाड़कर फेंकेंगे।

महागठबंधन की जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस 50 मिनट चली। इसमें आरजेडी, कांग्रेस, वीआईपी समेत 7 दलों के 14 नेता शामिल हुए। इसमें सभी दलों के नेताओं को बोलने मौका दिया गया। सभी ने अपनी स्पीच में महागठबंधन में एकजुटता की बात कही।

महागठबंधन 28 अक्टूबर को घोषणापत्र जारी करेगा- महागठबंधन 28 अक्टूबर को घोषणापत्र जारी करेगा। इसके बाद राहुल गांधी और तेजस्वी यादव बिहार में एक साथ रैली करेंगे।

महागठबंधन की प्रेस कॉन्फ्रेंस 50 मिनट चली, 7 दलों के 14 नेता शामिल- महागठबंधन की जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस 50 मिनट चली। इसमें आरजेडी, कांग्रेस, वीआईपी समेत 7 दलों के 14 नेता शामिल हुए। आरजेडी की ओर से तेजस्वी यादव,अब्दुल बारी सिद्दीकी, मनोज झा और संजय यादव मौजूद थे। वहीं कांग्रेस से अशोक गहलोत,राजेश राम,कृष्णा अल्लावरू, पवन खेड़ा और अभय दुबे थे। सीपीआई (माले) से दीपंकर भट्टाचार्य,वीआईपी पार्टी से मुकेश साहनी, सीपीआई (एम) से ललन चौधरी, सीपीआई से रामनरेश पांडे और ऑल इंडिया पान महासभा नेशनल से आईपी गुप्ता भी मंच पर मौजूद थे।

अशोक गहलोत बोले- अब एनडीए बताए उनका नेता कौन

तेजस्वी ने कहा-

- **जो विश्वास जताया है, उस पर खरा उतरेंगे-** तेजस्वी ने कहा, हम सभी का दिल से धन्यवाद देते हैं कि मुझ पर पुन: भरोसा जताया है। सभी का दिल से धन्यवाद है। सबसे कहना चाहता हूं कि जो विश्वास जताया है, उस पर खरा उतरेंगे। 20 साल पुरानी निकम्मी सरकार को उखाड़कर फेंकेंगे। जैसा कि गहलोत जी ने कहा कि नीतीश जी के साथ एनडीए में जो अन्याय हो रहा है, उन्हें सीएम फेस घोषित नहीं किया गया। वे लोग नीतीश जी मुख्यमंत्री नहीं बनाएंगे। ये अमित शाह जी एक बार नहीं, कई बार बोल चुके हैं।
- **अशोक गहलोत ने कहा- देश के हालात गंभीर-** बिहार कांग्रेस के प्रभारी अशोक गहलोत बोले- देश के हालात गंभीर हैं। लोग चिंतित हैं। किसी को नहीं पता कि देश किस दिशा जाएगा। हम सबकी जिम्मेदारी बनती है कि देश कहां जाएगा। बिहार के चुनाव पर देशभर की नजर है। बेरोजगारी हो या अन्य कई मुद्दे हों, जैसा कि सब साथियों ने बताया, छात्र, युवा, किसान, चिंता रोजगार की है। लोग बदलाव चाहते हैं।

गहलोत ने कहा- हमारे सामने बहुत बड़ी चुनौती है। डेमोक्रेसी का मुखौटा रह गया है। मैं क्या कहूं, आप लोग सब जानते हैं। बीजेपी को लोकसभा चुनाव में 240 पर समेट दिया। तेजस्वी जी ने उस वक्त भी कमाल किया था।

सुप्रभात

आने-जाने वाले हर
सुख-दु:ख को मीत कहूँगी
पूछेगा कोई क्या है जीवन,
तो गीत कहूँगी।
बोल नहीं हैं धड़कन हैं,
ये शब्दों के ताने-बाने।
इनके भाव वही जाने
जो मन की मर्यादा जाने।
परिभाषा में ढल जाए,
जीवन तो ऐसा गीत नहीं,
ये उन्मुक्त हृदय से फूटे,
अपनी राह स्वयं ठाने।
पल-पल घटती उमर
डगरिया को मैं जीत कहूँगी,
पूछेगा कोई क्या है जीवन,
तो गीत कहूँगी।
एकाकीपन हँस दे, रो दे,
गीत निकलता है कोई।
प्राणों में उत्सव हो तो
संगीत निकलता है कोई।
मन के सारे मौसम न्यारे,
पतझड़ या मधुमास रहे,
कोई सब कुछ हारा इस पर,
जीत निकलता है कोई।
कुछ खोने, कुछ पाने को,
जीने की रीत कहूँगी,
पूछेगा कोई क्या है जीवन,
तो गीत कहूँगी।

-कृति चौबे

भोपाल का तापमान

अधिकतम 30 °c

न्यूनतम 25°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शुक्रवार, 24 अक्टूबर 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

कांगड़ा में डंगे से टकराई वैन, दो मासूमों के सिर से उठा माता-पिता का साया

देहरादून (एजेंसी)। कांगड़ा-कछियारी बाइपास पर गुरुवार को एक हृदय विदारक सड़क हादसा हुआ। एक तेज रफ्तार मारुति वैन सड़क किनारे बने पत्थर के डंगे (दीवार) से जा टकराई, जिसमें एक दंपति की दर्दनाक मौत हो गई। इस भयानक टक्कर में उनके दो छोटे बच्चे बाल-बाल बच गए।

यह दुर्घटना दोपहर के समय हुई और टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन का अगला हिस्सा पूरी तरह से

क्षतिग्रस्त होकर चकनाचूर हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ऐसा प्रतीत होता है कि वाहन चालक ने वैन से नियंत्रण खो दिया, जिसके चलते यह हादसा हुआ। इस हादसे में पति-पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके साथ यात्रा कर रहे दो बच्चे पूरी तरह सुरक्षित हैं। स्थानीय पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शवों को कब्जे में ले लिया है और घटना का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने हादसे के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि दुर्घटना किस वजह से हुई। दो जिंदगियां लीलने वाले इस हादसे ने पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैला दी है।

रूसी तेल खरीद घटा सकता है भारत!

- रिलायंस बोली- सरकारी गाइडलाइंस मानेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रिफाइनर्स रूसी तेल के आयात को कम कर सकते हैं। रॉयटर्स ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि रिफाइनिंग कंपनी रिलायंस सरकार की गाइडलाइंस के हिसाब से अपनी रूसी तेल की खरीदारी एडजस्ट करेगी। सरकारी कंपनियां भी शिपमेंट चेक कर रही है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भारत पर रूस से तेल खरीद बंद करने का दबाव डाल रहे हैं। उन्होंने 22 अक्टूबर को रूसी तेल कंपनी रोसनेफ्ट और लुकोइल पर सैंक्शंस भी लगाए हैं। ट्रम्प ने 19 अक्टूबर को दावा किया था कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से बात की है, इसमें पीएम ने कहा कि वे रूस से तेल नहीं खरीदेंगे। अगर वे ऐसा कहना चाहें कि नहीं बात हुई, तो उन्हें भारी टैरिफ चुकाना होगा और उन्हें वह नहीं करना होगा। इससे पहले यूरोपीय संघ ने रूसी एलएनजी के आयात पर भी पूरी तरह बैन लगा दिया था। वहीं ब्रिटेन ने भी पिछले हफ्ते रोसनेफ्ट और लुकोइल पर सैंक्शन लगाया था।

लुधियाना के एक घर में ब्लास्ट, 10 लोग झुलसे

- पटाखे फोड़ते वक्त पोटाश पर गिरी चिंगारी, धमाका हुआ; 5 बच्चे भी चपेट में आए

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब के लुधियाना में एक घर में रखे बारूद (पोटाश) में ब्लास्ट होने से करीब 10 लोग झुलस गए। इसकी चपेट में बाहर खेल रहे 4-5 बच्चे भी घायल हो गए। घर में ब्लास्ट होने से अंदर आग लग गई, जिससे वहां रखा सामान भी जलकर

खाक हो गया। वहीं ब्लास्ट की आवाज सुनकर मोहल्ले के लोग भी घरों से बाहर निकल आए।

पुलिस जांच में सामने आया है कि घर के बाहर बच्चे पटाखे फोड़ रहे थे। उसकी चिंगारी घर में रखे बारूद तक चली गई, जिससे हादसा हुआ। मकान मालिक उस्मान खान रावण के पुतले बनाता था। इसके लिए ही घर में बारुद रखा था।

सूचना पाकर फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर हालात पर काबू पाया। वहीं झुलसे लोगों को पड़ोसियों ने अस्पताल में भर्ती कराया है। घर में उस समय 2-3 बच्चे सहित 3 लोग मौजूद थे।

भाई दूज पर इससे बेहतरीन गिफ्ट कोई नहीं

60 साल बाद मिला 91 साल का भाई...रो पड़े सब

गुवाहाटी (एजेंसी)। दिवाली के बाद भाई दूज के अवसर पर घरवालों को एक बेहतरीन तोहफा मिला है। एक बूढ़े हो चुके भाई को उसका 91 साल का बड़ा भाई मिला है। 81 साल के छोटे भाई को कभी उम्मीद भी नहीं थी कि उसका यह बड़ा भाई इस जीवन में मिल पाएगा। बात कर रहे हैं नगा लीडर थुइंगलेंग मुइवा की, जो बरसों तक भूमिगत रहने के बाद पहली बार 22 अक्टूबर, 2025 को मणिपुर के उखरुल जिले में अपने पैतृक गांव सोमदल पहुंचे। हजारों की भीड़ ने उनकी घरवापसी पर जोरदार स्वागत किया। वह 1964 में अपने गांव से नगा आंदोलन के लिए निकले और ज्यादातर समय अंडरग्राउंड ही रहे। बीच में 1973 में वह कुछ देर के लिए गांव के बाहर बने एक चर्च में आए थे, मगर वह रुके नहीं थे। ऐसे में उनका गांव में आना करीब 61 साल बाद ही हुआ है।

1950 के दशक में शुरू हुआ था नगा आंदोलन- नगा विद्रोह 1950 के दशक में स्वतंत्रता संग्राम के रूप में शुरू हुआ था। 1997 में भारत और मुइवा के समूह एनएससीएन (आई-एम) नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड (इसाक-मुइवा) के बीच युद्धविराम के बाद से हिंसा कम हुई है, लेकिन अलग झंडे और संविधान की मांग को लेकर बातचीत अभी भी रुकी हुई है।

मुइवा ने किसे कहा था देशद्रोही

थुइंगलेंग मुइवा का जन्म 3 मार्च, 1934 में हुआ था। वह एक नगा राष्ट्रवादी राजनीतिज्ञ और नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड (आईएम) के महासचिव हैं। मुइवा नगा नेशनल काउंसिल (एनएनसी) में शामिल हो गए, जो नगालैंड को भारत से अलग करने के लिए अभियान चलाने वाला एक हथियारबंद समूह था। बाद में वे एनएनसी के महासचिव बने। जब एनएनसी नेताओं के एक समूह ने भारत सरकार के साथ 1975 के शिलांग समझौते पर हस्ताक्षर किए, तो मुविया और कुछ अन्य लोगों ने उन्हें देशद्रोही करार दिया।

पिपलानी पुलिस पर फिर लगे गंभीर आरोप, एक्सीडेंट में शेफ की मौत हो गई, परिजन बोले तीन दिन तक हमें नहीं बताया

भोपाल (नप्र)। भोपाल की पिपलानी पुलिस पर इंजीनियर उदित गायकी की पीट-पीटकर हत्या किए जाने के बाद एक बार फिर गंभीर आरोप लगे हैं। दरअसल 19 अक्टूबर को सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। उसकी लाश को पुलिस ने अज्ञात मानकर गांधी मेडिकल कॉलेज की मर्चुरी में रखवा दिया था।

गुरुवार को शिनाख्त होने के बाद शव का पीएम कराया गया। वहीं मृतक के परिजनों का आरोप कि जिस स्कूटी पर सवार रहते एक्सीडेंट हुआ, वह उसी एड्रेस पर रजिस्टर्ड है, जहां अभी हम रहते हैं। इसी के साथ गाड़ी में ही मृतक का मोबाइल फोन और पहचान पत्र भी रखा था, लेकिन पुलिस ने इसकी तलाशी ही नहीं ली। पुलिस की इस लापरवाही के कारण बॉडी सड़ने लगी है।

दो वाहनों की आमने-सामने से हुई भिड़ंत

जानकारी के मुताबिक राम बहादुर (55) पिता चमन बहादुर झील नगर थाना अयोध्या नगर क्षेत्र में रहते थे। वे रत्नागिरी में एक रेस्टोरेंट में बतौर शेफ जॉब करते थे। उनके भाई नीमकांत बहादुर ने बताया कि 19-20 अक्टूबर की दरमियानी रात रेस्टोरेंट के बंद होने के बाद स्कूटी पर सवार होकर रात करीब डेढ़ बजे घर आ रहे थे। तभी रत्नागिरी में उन्हें अन्य दो पहिया वाहन के चालक ने सामने से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में घायल भाई की मौके पर ही मौत हो गई। हालांकि एम्बुलेंस से भाई को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने भी चेक करने के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने गाड़ी को जब्त कर लिया था। इसी स्कूटी की डिक्की में मोबाइल, आधार कार्ड रखा था। चाबी भी पुलिस के पास थी, लेकिन पुलिस का तर्क है कि गाड़ी की डिक्की को चेक नहीं किया। तीन दिन बाद जब हमें राम बहादुर की मौत की सूचना दी, तब भी मोबाइल फोन ऑन था, गाड़ी थाना परिसर में खड़ी थी।

परिवार सहित अन्य कई लोगों के मिस्ड कॉल मोबाइल में मिले हैं, लेकिन पुलिस को इसकी रिंग सुनाई नहीं दी। जबकि मोबाइल रिंग पर था। गाड़ी के रजिस्ट्रेशन में हमारा एड्रेस है, लेकिन पुलिस ने कोई प्रयास नहीं किया कि हम तक समय पर सूचना पहुंचे। कम से कम समय पर सूचना मिलती तो पोस्ट मार्टम भी समय पर होता, लाश और अधिक खराब होने से तो बच जाती।

गुमशुदगी दर्ज कराने जा रहे तब मौत की सूचना मिली

मृतक के बेटे सतीश ने बताया कि पिता जिस रेस्टोरेंट में काम करते थे वह रात को देरी से बंद होता है। अकसर रात अधिक होने के कारण पिता वहीं सो जाया करते थे। 19 अक्टूबर को वे घर के लिए निकले जरूर, लेकिन आए नहीं।हमने कॉल किए तो उन्होंने नहीं उठाया, लेकिन हमें इत्मिनान था कि पिता रेस्टोरेंट में ही सो गए होंगे। अगले दिन दिवाली थी, त्योहार के कारण परिवार इसी में व्यस्त रहा। त्योहारों पर रेस्टोरेंट में अधिक ग्राहकी होती तो पिता अकसर घर नहीं आते थे। दिवाली के अगले दिन रात के समय पिता को कॉल किया, लेकिन बात नहीं हो सकी। तब भी लगा पिता व्यस्त होंगे।

पिता की डांट से तिलमिलाया बेटा, बांस के डंडे से पीट पीटकर कर दी हत्या

बालाघाट (नप्र)। जिले के मलाजखंड थाना क्षेत्र के भड़गांव गांव में दिल दहलाने वाली वारदात सामने आई। एक बेटे ने गुस्से में आकर अपने पिता की बांस के डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी। वजह सिर्फ इतनी थी कि पिता अकसर उसे घर और खेत के काम करने के लिए डांटा करते थे। वारदात ने पूरे गांव को सन्न कर दिया है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

पिता की रोज-रोज की डांट से था नाराज- मलाजखंड पुलिस के अनुसार, मृतक धनीराम मेरावी (55) अपने बेटे कृष्णा मेरावी को घर और खेत में काम करने के लिए कहा करते थे। लेकिन कृष्णा काम से कतराता था और पिता की बातों से चिढ़ता था। मंगलवार को भी जब धनीराम ने बेटे को काम न करने पर डांटा, तो कृष्णा गुस्से में तमतमा उठा। उसने घर में रखे बांस के डंडे से पिता पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। हमले में धनीराम गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

मां और परिजनों ने देखा खौफनाक मंजर- बताया जा रहा है कि वारदात के समय घर में धनीराम की पत्नी और अन्य परिजन मौजूद थे। उन्होंने बीच-बचाव करने की कोशिश की, लेकिन कृष्णा के गुस्से के आगे कोई कुछ नहीं कर सका।

- छपरा में सीएम नीतीश बोले-

उन लोगों को वोट मत दीजिएगा, जो कोई काम नहीं करते हैं सिर्फ गड़बड़ करते हैं

छपरा, सारण (एजेंसी)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को सारण के मांझी और मकेर में एनडीए कैंडिडेट्स के समर्थन में सभा की। सीएम ने जनता से जेडीयू प्रत्याशी रणधीर सिंह (मांझी) और मनोरंजन सिंह उर्फ धूमल (एकमा) को जिताने की अपील की।

अपने 10 मिनट के भाषण में उन्होंने लोगों को जंगलराज की याद दिलाते हुए कहा, आप सब जानते हैं जब 2005 में हम लोगों की सरकार बनी तब से हम लोग विकास के काम में लगे हुए हैं, उसके पहले क्या स्थिति थी। पहले के हालात बहुत बुरे थे, लोग शाम के बाद घर से नहीं निकलते थे। शाम में लोग घर में बंद रहते थे। पहले वालों ने कोई काम नहीं किया है। उन्हें वोट मत दीजिएगा। हम लोगों को जिताएगा, विकास के काम लगातार होते रहेंगे।

बिहार के विकास का काम हो रहा है- मुख्यमंत्री ने आगे कहा, बिहार के विकास का काम हो रहा है, किसी भी प्रकार के डर या भय का वातावरण नहीं है। प्रेम और भाईचारे का माहौल है। पहले हिंदू-मुस्लिम का झगड़ा होता था, मंदिरों की घेराबंदी कर दी गई। पहले वाले सरकार ने कुछ नहीं किया। हम लोगों ने रोजगार और शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया, नौकरी दी और बहाली की, लड़के और लड़कियों के लिए साइकिल और पोशाक योजना चलाई, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार किया गया, पहले स्वास्थ्य सेवा बहुत खराब थी।

फायर सर्विस में जल्द बनेगी स्पेशलाइज्ड यूनिट

सीएम योगी का बड़ा फैसला

हर 100 किलोमीटर पर होगी ये खास सुविधा

लखनऊ (एजेंसी)। सीएम योगी ने कहा, प्रदेश में बढ़ती जनसंख्या, औद्योगिक विस्तार और शहरीकरण की गति को देखते हुए अग्निशमन विभाग की संरचना को अधिक सशक्त, आधुनिक व जनसुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील बनाना समय की आवश्यकता है। फायर सर्विस को केवल आग बुझाने तक सीमित न रखकर इसे आपदा प्रबन्धन, रेस्क्यू ऑपरेशन और आपात सेवाओं के समेकित स्वरूप में विकसित किया जाए।

सीएम योगी अपने सरकारी आवास पर अग्निशमन एवं आपात सेवा विभाग के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने विभागीय कैडर रिव्यू की आवश्यकता जताते हुए निर्देश दिए कि प्रत्येक रीजन में स्पेशलाइज्ड यूनिट गठित की जाए, जो केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल दुर्घटनाओं व सुपर हाईराइज बिल्डिंग जैसी परिस्थितियों से निपटने में सक्षम हो। मुख्यमंत्री ने फायर सर्विस को अत्याधुनिक उपकरणों और प्रशिक्षित जनशक्ति से सुसज्जित करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में विभाग में नए पदों के सृजन पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभाग की प्रशासनिक क्षमता और वित्तीय पारदर्शिता बढ़ाने के लिए प्रत्येक जनपद में अकाउण्ट कैडर स्थापित किया जाए। साथ ही, राज्य अग्निशमन प्रशिक्षण महाविद्यालय में अतिरिक्त पद सृजित कर प्रशिक्षण व अनुसंधान की गुणवत्ता को और बेहतर बनाया जाए।

मुख्यमंत्री के निर्देशों के उपरान्त विभाग में राजपत्रित संवर्ग के 98 व राजपत्रित संवर्ग के लगभग 922 नए

पद सृजित होने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इससे जनपद, रीजनल और मुख्यालय स्तर पर फायर सर्विस की कार्यक्षमता और जनसेवा क्षमता को नई मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक जिले में फायर एवं आपात सेवाओं की त्वरित उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। एक्सप्रेस-वे पर बढ़ती दुर्घटनाओं को देखते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक 100 किलोमीटर की दूरी पर फायर टेण्डर सहित एक छोटी फायर चौकी स्थापित की जाए, ताकि दुर्घटना की स्थिति में गोल्डन आवर के भीतर राहत व बचाव कार्य प्रारम्भ किया जा सके।

बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि नई ऑपरेशनल इकाइयों के रूप में कुशीनगर, आजमगढ़, श्रावस्ती, कानपुर नगर, अयोध्या, अलीगढ़, मुरादाबाद, चित्रकूट और सोनभद्र एयरपोर्ट पर अग्निशमन सेवाओं की समुचित जनशक्ति पहले ही तैनात की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि फायर सर्विस जनता के जीवन और सम्पत्ति की सुरक्षा से सीधे जुड़ा हुआ विभाग है। इसकी संरचना ऐसी होनी चाहिए, जो हर परिस्थिति में त्वरित, कुशल और उत्तरदायी प्रतिक्रिया देने में सक्षम हो।

मां ने अपने 3 बच्चों को पानी की टंकी में डुबोया, फिर कूदकर दे दी जान, 4 मौत से हड़कंप

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के बालोतरा जिले में गुरुवार को एक महिला ने कथित तौर पर अपने 3 बच्चों को पानी की टंकी में डुबो दिया। इसके बाद टंकी में कूदकर अपनी जान दे दी। पुलिस ने बताया, महिला और उसके 3 बच्चों के शव सुबह जसोल इलाके के टपरा गांव के पास एक खेत में उनके घर के पास बनी पानी की टंकी में मिले। सिवाना डीएसपी नीरज शर्मा ने बताया कि शुरुआती जांच के मुताबिक, ममता (32) पिछले दस दिनों से अपने परिवार के साथ कटाई के लिए अपने खेत पर रह रही थी। बुधवार रात खाने के बाद परिवार के सभी सदस्य सो गए थे। इसके बाद मां ममता कथित तौर पर अपने तीन बच्चों बेटे नवीन (7) और रुगाराम (4), और बेटी मानवी (6 महीने) को लेकर पानी की टंकी में कूद गई। गुरुवार सुबह ममता की सास ने उसे घर से गायब पाया, तो सब हैरान-परेशान हो गए। परिवार वालों ने उन्हें खोजना शुरू कर दिया। पुलिस ने बताया कि उसने किनारे के पास ममता की चप्पलें देखीं। जब उसने अंदर देखा, तो उसने पानी में लाशें तैरती देखीं। महिला ने तुरंत गांव वालों और पुलिस को इस घटना के बारे में जानकारी दी।

नड्डा बोले- आरजेडी का मतलब है-रंगदारी, जंगलराज, दादागिरी

गोह में कहा-एनडीए के साथ विकास, महागठबंधन संग विनाश

पटना (एजेंसी)। एनडीए के बड़े नेताओं ने चुनाव प्रचार की कमान संभाल रखी है। आज गुरुवार को औरंगाबाद के गोह में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की जनसभा हुई। इस दौरान नड्डा ने कहा, आरजेडी का मतलब है- रंगदारी, जंगलराज, दादागिरी। जो लोग नौकरी के लिए जमीन ले लेते हैं, वो क्या आपको नौकरी देंगे? जो लोग मां-बहनों की इज्जत नहीं कर सकते, वो क्या आपको सुरक्षा देंगे। एनडीए के साथ विकास है। मेरा जन्म भी बिहार के पटना में हुआ है। मैंने बचपन के 20 साल बिहार में गुजारे हैं।

ओडिशा में इंस्टा-रील बनाते समय युवक ट्रेन से टकराया, मौत

मां के साथ मंदिर में दर्शन कर लौट रहा था, वीडियो बनाने ट्रैक के पास गया था

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी जिले के जनकदेईपुर रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को इंस्टाग्राम रील बनाते समय एक नाबालिग ट्रेन की चपेट में आ गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

रिपोर्ट के मुताबिक, घटना के समय मंगलाघाट निवासी यह लड़का अपनी मां के साथ दक्षिण काली मंदिर में दर्शन करके लौट रहा था। लौटते समय उसने रेलवे ट्रैक के

पास मोबाइल से वीडियो बनाने की कोशिश की। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, वह ट्रैक के बहुत करीब खड़ा था, तभी तेजी से आ रही ट्रेन ने उसे टक्कर मार दी,

हादसे के बाद रेलवे कर्मचारी और स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे। सरकारी रेलवे पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमॉर्टम के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा।

लाड़ली बहनों को मिलेंगी दो गाय?

पूर्व सीएम उमा की मांग पर सरकार ने कहा विचार करेंगे

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश की पूर्व सीएम उमा भारती ने मांग की है कि लाड़ली बहनों को राशि के साथ-साथ दो-दो गाय दी जाएं, जिससे उन्हें रोजगार के साधन मिले। पूर्व सीएम की मांग की एमपी के डेप्युटी सीएम राजेंद्र शुक्ला ने जवाब दिया है।दरअसल, मध्य प्रदेश की पूर्व सीएम उमा भारती ने मध्यप्रदेश सरकार को लाड़ली बहना योजना की लाभार्थियों को दो गायें देनी चाहिए, जिससे वह उन्हें पाल भी सकेंगी और आत्मनिर्भर भी बन सकेंगी। वहीं, उमा भारती की मांग डेप्युटी सीएम राजेंद्र शुक्ला का बयान आया है। उन्होंने कहा है कि उनका सुझाव है तो विचार किया जाएगा। राजेंद्र शुक्ला ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार में जो लोग भी सुझाव देते हैं, उस पर विचार किया जाता है। गुण दोष के आधार पर जो संभव होगा, उस पर मुख्यमंत्री जी फैसला लेंगे।

रीवा एयरपोर्ट के विस्तार और सुदृढ़ीकरण के लिए शीघ्र बनायें प्रस्ताव : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

विंध्य क्षेत्र के औद्योगिक विकास का महत्वपूर्ण केंद्र रीवा

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि विंध्य क्षेत्र में विकास की गति तेज़ हुई है और औद्योगिक विस्तार निरंतर गति पकड़ रहा है। रीवा एयरपोर्ट का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण समय की आवश्यकता है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय में विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि रीवा एयरपोर्ट के रनवे को बड़ा करने और आवश्यक अधोसंरचना विकास के लिए विस्तृत प्रस्ताव शीघ्र तैयार किया जाये। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया के साथ नियमित सामंजस्य बनाकर कार्यवाही को गति दी जाये।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने बताया कि रीवा एयरपोर्ट वर्तमान में एटीआर-72 विमान के संचालन के लिए लाइसेंस प्राप्त है और नाइट लैंडिंग की सुविधा से युक्त है। उन्होंने कहा कि हवाई सेवाओं की बढ़ती मांग को देखते हुए एयरपोर्ट के रनवे विस्तार और सुविधाओं के उन्नयन की दिशा में त्वरित कदम उठाए जाना आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि नई एविशन नीति के अंतर्गत रीवा एयरपोर्ट के लिए दो एयरलाइन मार्गों के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं जिन्हें शीघ्र अंतिम रूप दिए जाने की आवश्यकता है। इस संबंध में उन्होंने तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए ताकि रीवा की हवाई सेवाओं के विस्तार में विलंब न हो।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि रीवा एयरपोर्ट के सुदृढ़ीकरण से विंध्य क्षेत्र में औद्योगिक निवेश, पर्यटन और व्यापारिक गतिविधियों को नया आयाम मिलेगा। इससे क्षेत्र की कनेक्टिविटी सशक्त होगी और स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। बैठक में अपर मुख्य सचिव (एविएशन) श्री संजय कुमार शुक्ला, आयुक्त (एविएशन) श्री चंद्रमौली शुक्ला, उप सचिव (एविएशन) श्री कैलाश बुंदेला और निदेशक, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया भोपाल श्री रामजी अवस्थी उपस्थित थे।

समाधान ऑनलाइन में कलेक्टरों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग मीटिंग

शिकायत पर एक्शन न लेने वाले अफसरों पर एक्शन लेंगे सीएम

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरुवार को समाधान ऑनलाइन के जरिए नागरिकों की समस्याओं का ऑनलाइन समाधान करेंगे। समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में समत्व भवन से वीडियो कांफ्रेंसिंग के द्वारा सीएम डॉ यादव और मुख्य सचिव अनुराग जैन प्रदेश के सभी जिलों के कलेक्टर, एसपी और अन्य अधिकारियों से अलग-अलग पोर्टल पर मिली शिकायतों के निराकरण में हुई देरी को लेकर कार्रवाई करेंगे और शिकायत करने वाले नागरिकों से समाधान की जानकारी भी लेंगे।

वीसी मीटिंग में इन बिन्दुओं पर भी होगी चर्चा- समाधान ऑनलाइन से होने वाली वीडियो कांफ्रेंसिंग मीटिंग में सीएम हेल्पलाइन के विभिन्न विषयों तथा लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत दी जा रही सेवाओं की समीक्षा की जाएगी। किसान क्रेडिट कार्ड, रासायनिक खाद और बीज का वितरण, नलजल योजनाओं से पानी की आपूर्ति पर भी डिस्कसन होगा। नए राशनकार्ड जारी करने एवं कर्मकार कल्याण मण्डल संबल योजना में मजदूरों के पंजीयन की जानकारी भी ली जाएगी।

समीक्षा में मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना, मेडिकल कालेज में प्रसूति सहायता योजना से राशि न मिलने, मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना, अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों को शिष्यवृत्ति और छात्रवृत्ति के वितरण तथा सरकार के विभिन्न पोर्टलों के उपयोग में हो रही असुविधा से संबंधित आवेदन पत्र शामिल रहेंगे।

साथ ही डिस्कसन एजेंडे में नगरीय क्षेत्र में सड़कों, गलियों, नालियों और सीवरेज की साफ-सफाई, मच्छरों के रोकथाम तथा सफाईकर्मियों से जुड़ी शिकायतें शामिल रहेंगी।

मुख्यमंत्री ने सॉफ्टवेयर इंजीनियर के निधन पर किया दुख व्यक्त

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निवाड़ी जिले के पृथ्वीपुर निवासी सॉफ्टवेयर इंजीनियर श्री हेमंत सोनी के निधन पर दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से श्री सोनी की आत्मा की शांति और उनके शोकाकुल परिजन को यह दुख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार इस दुर्घटना से दुखी सोनी परिवार के साथ खड़ी है।

उल्लेखनीय है कि गत 16 अक्टूबर को उत्तराखंड यात्रा के दौरान ऋषिकेश में सेतु से गंगा नदी में गिर जाने के कारण श्री हेमंत सोनी लापता थे। एसडीआरएफ द्वारा उनकी खोजबीन की जा रही थी। ऋषिकेश में सेतु से करीब 15 किलोमीटर आगे चिल्ला बांध के पास श्री सोनी का शव मिला है। अंत्येष्टि के लिए युवक की पार्थिव देह गृहनगर लाई जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी से दूरभाष पर चर्चा कर मध्यप्रदेश निवासी सॉफ्टवेयर इंजीनियर श्री सोनी की तलाश के लिए आग्रह किया था।

सीएम डॉ. यादव ने पूर्व उप राष्ट्रपति स्व. शेखावत को दी श्रद्धांजलि

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देश के पूर्व उप राष्ट्रपति एवं राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. भैरोंसिंह शेखावत की जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि स्व. शेखावत सादगी, ईमानदारी और जनसेवा के पर्याय थे। जनसेवा के प्रति उनका समर्पण एवं पुनीत विचार सभी को सदैव प्रेरित करते रहेंगे।

राष्ट्रीय बालरंग भोपाल में 5 दिसम्बर को

भोपाल (नप्र)। भोपाल में राष्ट्रीय बालरंग-2025 इस वर्ष 5 दिसम्बर को इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय परिसर, श्यामला हिल्स, भोपाल में आयोजित होगा। आयोजन की व्यवस्था एवं तैयारियों को लेकर संचालक श्री

डी.एस. कुशवाह की अध्यक्षता में गुरूवार को लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल में बैठक हुई। बैठक में बताया गया कि राष्ट्रीय बालरंग में 20 से अधिक राज्यों के स्कूल के विद्यार्थी अपने राज्यों की लोक संस्कृति पर आधारित प्रस्तुतियाँ देंगे। बालरंग में 500 से अधिक विद्यार्थी भागीदारी करेंगे। इसी के साथ बालरंग में 5 हजार विद्यार्थी सहभागिता कर एक भारत-श्रेष्ठ भारत की थीम पर राज्यों की लोक कलाओं से परिचित हो सकेंगे। बैठक में बताया गया कि राष्ट्रीय बालरंग का आयोजन वर्ष 2005 से निरंतर भोपाल में हो रहा है। बैठक में विद्यार्थियों के आवास, परिवहन एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चर्चा की गयी। विभिन्न राज्यों से आये विद्यार्थियों को भोपाल के नजदीक पुरातत्व धरोहर भोजपुर, भीमबेटका और साँची का भ्रमण भी कराया जायेगा।

सीएम हेल्पलाइन में फर्जी शिकायतें करने वाले दो पुलिसकर्मी सस्पेंड

मैहर (नप्र)। अमरपाटन थाने में सीएम हेल्पलाइन पर फर्जी शिकायतें दर्ज करने वाले दो पुलिसकर्मियों को एसपी ने लाइन अटैच कर दिया है। प्रधान आरक्षक रवि सिंह और आरक्षक संतोष राय पर यह कार्रवाई सीएम हेल्पलाइन की ग्रेडिंग सुधारने के लिए झूठी शिकायतें दर्ज करने के आरोप में की गई है। सीएम हेल्पलाइन 181 पर फर्जी शिकायतें मिलने से अधिकारियों और विभागीय कर्मचारियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसको लेकर हालही में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कड़ा रुख अपनाते हुए फर्जी शिकायतकर्ताओं पर एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए थे।

ग्रेडिंग में फर्स्ट आने की झूठी शिकायत- आरोप है कि अमरपाटन थाने में पदस्थ इन दोनों पुलिसकर्मियों ने सीएम हेल्पलाइन की ग्रेडिंग में नंबर एक पर आने के लिए 181 सीएम हेल्पलाइन पर झूठी शिकायतें दर्ज करई थीं। उन्होंने पटाखा दुकानदारों के मोबाइल फोन लेकर स्वयं को फर्जी कॉलर बताते हुए गाली-गलौज और मारपीट की शिकायतें दर्ज कराईं।

सागर के परसोरिया बस स्टैंड पर युवाओं का उत्पात

मंत्री का काफिला रोका, कलेक्टर की गाड़ी के सामने बैठा युवक, पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया

सागर (नप्र)। सागर के सानौधा थाना क्षेत्र के ग्राम परसोरिया में बस स्टैंड के पास दो युवकों ने जमकर हंगामा मचाया। इनमें से एक युवक घायल अवस्था में सड़क पर खड़ा हो गया और गोवर्धन पूजा से लौट रहे मंत्री गोविंद सिंह राजपूत का काफिला रोक दिया। खून से लथपथ युवक कलेक्टर की गाड़ी के सामने आ गया और करीब 20 मिनट तक हंगामा करता रहा। इसके बाद कलेक्टर ने गाड़ी से उतरकर डायल-112 की मदद से युवक को अस्पताल पहुंचाया। बताया जा रहा है कि युवक नशे में थे। सानौधा पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गौशाला से लौट रहे थे मंत्री और कलेक्टर

दरअसल, नरयावली विधानसभा के ग्राम पड़रिया में गौशाला में गोवर्धन पूजा का आयोजन किया गया था। इसमें शामिल होने के लिए कैबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत अधिकारियों के साथ पहुंचे थे। पूजा करने के बाद जब वे वापस सागर लौट रहे थे, तभी सागर-जबलपुर रोड पर स्थित परसोरिया बस स्टैंड के पास दो युवकों ने सड़क पर उत्पात मचाना शुरू कर दिया।

कलेक्टर की गाड़ी के सामने बैठकर किया हंगामा

युवकों ने मंत्री का काफिला रोक लिया। एक घायल युवक कलेक्टर की गाड़ी के सामने आकर बैठ गया। सुरक्षाकर्मियों ने उसे समझाइश दी, लेकिन वह नहीं माना। जिसके बाद उसे सुरक्षा जवानों ने पकड़कर गाड़ी के सामने से अलग किया। हंगामे की सूचना पर सानौधा पुलिस और डायल-112 मौके पर पहुंची। घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

न्याय की मांग कर रहे थे, पर कारण नहीं बता पाए

युवक सड़क पर उत्पात मचा रहे थे। कलेक्टर ने उनसे कारण पूछा तो वह न्याय की मांग करने लगे, लेकिन वह कुछ स्पष्ट बता नहीं पाए। उत्पात मचा रहे युवक बंडा के पास ग्राम बमूरा पिपरिया निवासी के होना बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि उनका परसोरिया में किसी से विवाद हो गया था। पुलिस मौके पर नहीं पहुंची तो उन्होंने हंगामा कर दिया।

कलेक्टर ने स्वयं गाड़ी रुकवाई थी

सानौधा थाना प्रभारी भरत सिंह ने बताया कि घायल युवक को देखकर कलेक्टर ने स्वयं गाड़ी रुकवाई थी। उसे अस्पताल पहुंचाया। युवक अपने साथियों के साथ गढ़ाकोटा से लौट रहा था। नशे में आपस में उत्पात मचा रहे थे। उसने खुद अपने आप को चोट पहुंचाई है। गाड़ी के सामने हंगामा जैसी कोई बात नहीं थी।

राज्य स्तरीय कला उत्सव 24 अक्टूबर से भोपाल में

प्रदेश के विभिन्न अंचलों के विद्यार्थी स्थानीय संस्कृति एवं लोक कलाओं का करेंगे प्रदर्शन

भोपाल (नप्र)। स्कूल शिक्षा विभाग का दो दिवसीय राज्य स्तरीय कला उत्सव शुक्रवार 24 अक्टूबर से प्रातः 10 बजे भोपाल में शुरू होगा। कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूल के विद्यार्थियों को अपनी कला, संस्कृति और विरासत को मंच प्रदान करना है। कार्यक्रम कलियासोत, कोलार रोड के मध्यप्रदेश भूमि एवं जल प्रबंधन संस्थान (वाल्मी) में आयोजित होगा।

दो दिवसीय राज्य स्तरीय कला उत्सव में प्रदेश के विभिन्न अंचलों से स्कूल के लगभग 250 विद्यार्थी अपनी प्रस्तुति देंगे। इन विद्यार्थियों का चयन 9 संभागों में विद्यार्थियों द्वारा श्रेष्ठ प्रस्तुति के आधार पर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हुआ है। उत्सव में मालवी एवं बुंदेली लोक गीत, बरेदीं बधाई, धीमी राय, गौर नृत्य के साथ अंचल से जुड़ी लोक नृत्य की प्रस्तुतियाँ दी जायेंगी। विद्यार्थी नाटक एवं कहानी कथा पर आधारित वाचन प्रस्तुत करेंगे। कला उत्सव की विशेषता रानी दुर्गावती एवं रानी अहिल्याबाई होल्कर के जीवन पर आधारित लघु नाटिकाएँ रहेंगी।

कला उत्सव में वादन की श्रेणी में विद्यार्थी बाँसुरी, सितार, तबला, टिमकी, ढोलक और तुरा जैसे पारम्परिक वाद्य यंत्रों के माध्यम से संगीत की अद्भुत प्रस्तुतियाँ देंगे। मध्यप्रदेश की धरती सदैव कला की जननी रही है। भीमबेटका और इसकी गुफाएँ प्राचीन चित्रकला की साक्षी हैं। उत्सव में विद्यार्थी पिथौरा, गोंड कला एवं मालवा पेंटिंग पर आधारित अपनी चित्रकृतियाँ प्रदर्शित करेंगे। मूर्तिकला, चित्रकला तथा स्थानीय खेल और खिलौनों पर आधारित प्रतियोगिताएँ भी इस उत्सव का विशेष आकर्षण रहेंगी। राज्य स्तरीय कला उत्सव-2025 का समापन 25 अक्टूबर को होगा। उद्घाटन सत्र में स्कूल शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षाविद मौजूद रहेंगे।

व्यापार जगत में मंदी और मौसम में बदलाव के संकेत

23 अक्टूबर की रात वृश्चिक राशि में प्रवेश हुए बुध ; आग से दुर्घटनाएं बढ़ने की चेतावनी

भोपाल (नप्र)। ज्योतिष मठ संस्थान के ज्योतिषाचार्य पंडित विनोद गौतम के अनुसार, व्यापार के कारक ग्रह बुध 23 अक्टूबर 2025, गुरुवार की रात्रि 2 बजकर 50 मिनट पर तुला राशि से वृश्चिक राशि में प्रवेश करेंगे। यह राशि परिवर्तन न केवल व्यापार जगत बल्कि मौसम और सुरक्षा क्षेत्र पर भी प्रभाव डालेगा।

पंडित गौतम ने बताया कि वृश्चिक राशि मंगल की है और जब बुध इसमें प्रवेश करेगा, तो यह अंगारक योग का निर्माण करेगा। इस योग से देश में वर्षा और बूंदाबांदी की संभावना बनेगी। वहीं ठंड में कुछ कमी महसूस होगी और मौसम में अस्थिरता आ सकती है। कृषि क्षेत्र पर इसका असर पड़ते हुए फसलों में रोग या नुकसान की स्थिति बन सकती है।

उन्होंने बताया कि बुध और मंगल की युति से सैन्य क्षेत्र में नए आविष्कार या रक्षा उपकरणों में प्रगति के संकेत मिल रहे हैं,

हालांकि इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था पर व्यय बढ़ेगा। विदेशी व्यापार के क्षेत्र में भारत को सफलता मिलने की संभावना रहेगी, जिससे अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक संबंध मजबूत हो सकते हैं। पंडित गौतम ने चेतावनी दी कि बुध के इस गोचर काल जो 7 नवंबर तक रहेगा, देश और मध्यप्रदेश में कुछ स्थानों पर आग से दुर्घटनाओं की संभावनाएं बन रही हैं। व्यापारिक प्रतिष्ठानों में आग या तकनीकी खराबी से आर्थिक नुकसान हो सकता है

प्रदेश में 45 रोड सेफ्टी एंड एनफोर्समेंट चेकिंग प्वाइंट से निगरानी, नागरिकों को फेसलेस सुविधा

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में वाहन चेकिंग की पारदर्शी व्यवस्था लागू करने तथा सुशासन के उद्देश्य से प्रदेश के समस्त परिवहन चेकपोस्टों को बंद कर दिया गया है। इनके स्थान पर परिवहन विभाग ने 45 'रोड सेफ्टी एंड एनफोर्समेंट चेकिंग प्वाइंट' प्रारम्भ कर दिए हैं। इन पर पदस्थ प्रवर्तन बल द्वारा बॉडीवोर्न कैमरों की निगरानी में पीओएस मशीन के माध्यम से वाहनों के विरुद्ध ऑनलाइन चालानी कार्यवाही की जा रही है। 'इज ऑफ डुइंग बिजनेस' के अंतर्गत इन प्वाइंट पर द्वारा अहम निर्णय लेते हुए प्रदेश में प्रवेश करने वाले अन्य राज्यों के वाहनों द्वारा ई-चेकपोस्ट मॉड्यूल के माध्यम से ऑनलाइन मोटरयान कर जमा करने की सुविधा दी गई है। परिवहन विभाग ने इस वर्ष 5 हजार 693 करोड़ रूपये का राजस्व संग्रहण का लक्ष्य रखा है। पिछले वर्ष 2024-25 में परिवहन विभाग ने करीब 4 हजार 875 करोड़ रूपये का राजस्व संग्रहण किया था। यह राजस्व वर्ष 2023-24 के मुकाबले 5.83 प्रतिशत अधिक रहा है।

नकदी रहित उपचार सुविधा

सड़क दुर्घटना में घायलों के त्वरित उपचार के लिये 'सड़क दुर्घटना पीडितों का नगदी रहित उपचार स्कीम-2025' सुचारू रूप से क्रियान्वित की गई है, जिसके तहत पीड़ित ऐसी दुर्घटना की तारीख से अधिकतम सात दिन की अवधि के लिये किसी भी नाम निर्दिष्ट अस्पताल में प्रति पीड़ित एक लाख पचास हजार रूपये तक की रकम के नकदी रहित उपचार करा सकता है। इसके अलावा सड़क दुर्घटनाओं में गंभीर रूप से घायल पीड़ितों को गोल्डल आवर के अंदर अस्पताल तक में जाकर उनकी सहायता करने वाले राह-वीरों को प्रोत्साहन स्वरूप 25 हजार रूपये एवं सर्टिफिकेट प्रदान किया जा रहा है।

प्रदेश में बनाये गये सुविधा केन्द्र

परिवहन विभाग की प्रक्रिया को सरल बनाने तथा आम जनता को सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वाहनों के रजिस्ट्रेशन, परमिट तथा ड्राइविंग लाइसेंस आदि से संबंधित अधिकतर सेवाओं को एनआईसी के पोर्टल 'वाहन' तथा 'सारथी' के माध्यम से फेसलेस प्रदान किया जाना प्रारम्भ किया गया है, जिसमें आवेदक को कार्यालय जाने की आवश्यकता नहीं होती। आमजन को परिवहन विभाग की सेवाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन करने में सहायता करने के लिए सीएससी सेंटर्स के अतिरिक्त एमपी ऑनलाइन सेंटर्स को भी राज्य सरकार द्वारा सुविधा केन्द्र के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। आम जनता की सुविधा के लिये वाहनों के पंजीयन प्रमाण पत्र एवं ड्राइविंग लाइसेंस डिजिटल रूप से रख सकने के उद्देश्य से परिवहन विभाग द्वारा आवेदकों को ड्राइविंग लाईसेंस एवं पंजीयन प्रमाण पत्र इलेक्ट्रानिक रूप में जारी किया जाना प्रारंभ किया गया है।

'एमएसएमई फॉर भारत' सम्मेलन

मध्यप्रदेश का एमएसएमई पंडाल बना सभी के आकर्षण का केन्द्र

भोपाल(नप्र)। नई दिल्ली के प्रगति मैदान में भारत मंडपम में 'एमएसएमई फॉर भारत' सम्मेलन में मध्यप्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल को काफी सराहना मिल रही है और लोगों के आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। ग्वालियर के (ओडीओपी) एक जिला-एक उत्पाद के तहत सैण्डस्टोन की दो इकाइयों श्री साईं राम स्टोन और सेंचुरी स्टोन - की कलाकृतियां स्टॉल में प्रदर्शित की गई हैं। स्टॉल पर प्रदर्शित सेंचुरी स्टोन से स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाई गई भगवान श्रीराम की मूर्ति ने सभी का मन मोहा और निवेशकों, उद्योगपतियों और उद्यमियों का विशेष ध्यान आकर्षित किया।

मध्यप्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग द्वारा इस महत्वपूर्ण आयोजन में विशेष रूप से भागीदारी की गई। विभाग के सहायक संचालक श्री अर्पित पवार ने राज्य में संचालित विभिन्न योजनाओं, औद्योगिक नीतियों और निवेश अवसरों के बार में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य की नई औद्योगिक नीति और स्टार्टअप नीति ने युवाओं को स्व-रोजगार की दिशा में प्रेरित किया है।

सम्मेलन का आयोजन एक मीडिया संस्थान द्वारा किया गया। इस अवसर पर केंद्र और विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों, उद्योग विशेषज्ञों, उद्यमियों तथा नीति निर्माताओं ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र की संभावनाओं और चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया।

छठ पर यात्रियों को राहत

रानी कमलापति से निजामुद्दीन के बीच चलेगी छठ पूजा स्पेशल ट्रेन, एक दिन की होगी ट्रिप

भोपाल (नप्र)। छठ महापर्व पर घर लौटने वाले यात्रियों के लिए रेल प्रशासन ने राहत की सौगात दी है। अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रानी कमलापति से हजरत निजामुद्दीन के बीच एक ट्रिप छठ पूजा स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। यह ट्रेन शनिवार, 25 अक्टूबर को एक ही दिन दोनों दिशाओं में चलेगी। सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि छठ महापर्व पर यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न मार्गों पर पूजा स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। यात्री यात्रा से पहले समय और ठहराव की जानकारी एनटीईएस ऐप, रेल मदद 139, या भारतीय रेलवे की वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं।

सुबह 7.30 बजे रानी कमलापति से होगी शुरुआत- गाड़ी संख्या 01661 रानी कमलापति-हजरत निजामुद्दीन स्पेशल ट्रेन शनिवार, 25 अक्टूबर को सुबह 7.30 बजे रानी कमलापति स्टेशन से रवाना होगी। यह ट्रेन विदिशा में सुबह 8.28 बजे, बीना में सुबह 9.50 बजे, वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई झांसी में दोपहर 12.45 बजे, ग्वालियर में दोपहर 2.20 बजे, आगरा कैंट में शाम 4.45 बजे और मथुरा में शाम 6.00 बजे पहुंचेगी। ट्रेन रात 8.15 बजे हजरत निजामुद्दीन स्टेशन पर पहुंचेगी।

रात 9.30 बजे लौटेगी, अगली सुबह भोपाल पहुंचेगी- वापसी में गाड़ी संख्या 01662 हजरत निजामुद्दीन से उसी दिन रात 9.30 बजे रवाना होगी। यह मथुरा में रात 11.55 बजे, आगरा कैंट में रात 12.50 बजे, ग्वालियर में तड़के 2.55 बजे, वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई झांसी में सुबह 5.35 बजे, बीना में सुबह 8.10 बजे, विदिशा में सुबह 9.15 बजे रुकते हुए रविवार सुबह 10.50 बजे रानी कमलापति स्टेशन पहुंचेगी।

इन स्टेशनों पर रहेगा ठहराव- ट्रेन का ठहराव दोनों दिशाओं में विदिशा, बीना, वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई झांसी, ग्वालियर, आगरा कैंट और मथुरा स्टेशनों पर रहेगा।

संपादकीय

अंधा बनाती पटाखा गन!

दीपावली पर पटाखे फोड़ने, दीप पर्व का उल्लास व्यक्त करने तथा बारूदी धुएं के कारण होने वाले वायु प्रदूषण से इतर दिवाली की यह स्याह तस्वीर है। इस बार एक 2 सौ रू. कीमत वाली देसी पटाखा गन से मप्र में 295 लोगों की आंखों की रोशनी चली गई। इनमें से कुछकी रोशनी तो वापस आने की संभावना भी नहीं है। हैरानी की बात यह है कि ऐसी ज्यादातर दुर्घटनाएं गन चलाते रील बनाने के जुनून में हुई हैं। देसी पटाखा गन से हादसों की खबरें दिवाली के शुरू से ही आने लगी थीं, लेकिन जिलों में कलेक्टरों ने इस पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया, जबकि मुख्यमंत्री और सीएस ने 18 अक्टूबर को ही इस दिवाली देसी पटाखा गन यानी सस्ती कैल्शियम कार्बाइड गन नहीं बिकने देने के आदेश दिए थे, लेकिन उसका पालन शायद ही हुआ हो। इस लापरवाही का अंजाम आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। देसी पटाखा गन से आंखें गंवाने वालों की सर्वाधिक संख्या राजधानी भोपाल में है। यहां दिवाली में 150 से ज्यादा ऐसे मामले सामने आए, जबकि ग्वालियर में 19, इंदौर में 3, विदिशा में 12 और अन्य 3 जगह पटाखा गन से आंखें जलने की घटनाएं हुई हैं। इनमें ज्यादातर घटनाएं 7 से 14 साल तक के बच्चों के साथ हुई हैं। भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) के नेत्र विभाग में 36 मरीजों का इलाज चल रहा है। अब तक 15 की सर्जरी की जा चुकी है। दो बच्चों की आंखों में डॉक्टरों ने एम्नियोटिक मनियोटिक मेम्ब्रेन (झिल्ली) लगाई है। यह झिल्ली जो प्रसव के दौरान गर्भ से निकलती है। डॉक्टरों का कहना है कि यह 'जीवित पट्टी' घाव भरने और आंख की पारदर्शिता बनाए रखने में मदद करती है। इसे लगाने के दो से तीन सप्ताह बाद ही पता चलेगा कि आंखों की रोशनी कितनी बच सकी है। जाहिर है कि ऐसे खतरनाक पटाखे चलाने का जुनून अब स्थायी अपंगता का कारण बन रहा है। दरअसल बाजार में 100 से 200 रुपए में मिलने वाली यह गन अब 'खतरनाक ट्रेंड' बन चुकी है। चिकित्सकों के अनुसार इस गन में भरा कैल्शियम कार्बाइड पानी के संपर्क में आने पर एसिटिलीन गैस बनाता है। यह गैस विस्फोट के साथ जलती है और कुछ ही सेकेंड में आंखों, त्वचा और चेहरे को झुलसा देती है। नेत्र विशेषज्ञों के अनुसार यह गन केमिकल रिएक्शन से विस्फोट करती है। लेकिन जब गन नहीं चलती, तो बच्चे उसकी नाल में झांकते हैं। उसी समय गैस का दबाव बढ़ता है और धमाका होता है। यह 'गन' कोई पटाखा नहीं, बल्कि यह रासायनिक उपकरण है। जो पलभर में आंखों की रोशनी छीन सकता है। डॉक्टरों का यह भी कहना है कि एसीटीलीन गैस सांस के जरिए शरीर में पहुंचकर दिमाग और नसों को नुकसान पहुंचा सकती है। लंबे समय तक इसके संपर्क में रहने से ऑक्सीजन की कमी सिरदर्द, चक्कर, याददाश्त में कमी, मानसिक भ्रम और मस्तिष्क में सूजन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इस पूरे मामले के तीन अहम पहलू हैं। पहला तो यह कि खतरनाक और जानलेवा पटाखों को लेकर कोई प्रभावी जागरूकता तंत्र नहीं है। अगर देसी पटाखा गन के खतरों को लेकर व्यापक रूप से सतर्कता अभियान चलाया जाता तो हो सकता था कि इससे इतने लोग प्रभावित न होते। सरकार ने आदेश तो जारी कर दिया, लेकिन आम लोगों को इसकी समुचित जानकारी नहीं दी गई। दूसरे, ऐसे पटाखे बनाने की इजाजत कैसे दी जाती है। तीसरे, सोशल मीडिया का जुनून। इसे खरीदने की प्रेरणा भी सोशल मीडिया से मिली और इसे चलाकर रील बनाने की जिद भी सोशल मीडिया की वजह से है। इस पर तुरंत रोक लगनी चाहिए।

रणनीतिविहीन विश्व में भूख की चुनौती

नजरिया

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी
लेखक भारत के राष्ट्रपति के ओएसडी रह चुके हैं। वर्तमान में पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय में चेयर प्रोफेसर हैं।

कुपोषण के सभी संभावनाओं को समाप्त करना है और टिकाऊ कृषि-संस्कृति को बढ़ावा देकर स्वस्थ व समृद्ध मानव बिरादरी बनाना है। इस सबके लिए टिकाऊ खाद्य उत्पादन प्रणालियों को लागू करने का प्रयास करना है। छोटे, सीमांत पैमाने के किसानों की भी उत्पादकता और आय बढ़ाकर उनके सम्मान का बोध कराना है। संयुक्त राष्ट्र का खुद कहना है कि दुनिया की आबादी के आठ प्रतिशत से अधिक हिस्से यानि लगभग 67 करोड़ से अधिक लोगों को पर्याप्त मात्रा में भोजन उपलब्ध नहीं है और वे भूखे पेट रहने के लिए मजबूर हैं। ये आंकड़ा दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे हैं इसलिए इस लेख को पढ़े जाने तक इसे 70 करोड़ के आंकड़े तक माना जाना चाहिए जो कि भूख के शिकार हैं।

सतत विकास लक्ष्य-2030 के प्रमुख लक्ष्यों में एसडीजी-2 शून्य भूख के लिए हैं। इसका लक्ष्य का आशय है कि 2030 तक पूरी दुनिया से भुखमरी को समाप्त करना है। सभी के लिए सुरक्षित, पौष्टिक और पर्याप्त भोजन सुनिश्चित करना है। कुपोषण के सभी संभावनाओं को समाप्त करना है और टिकाऊ कृषि-संस्कृति को बढ़ावा देकर स्वस्थ व समृद्ध मानव बिरादरी बनाना है। इस सबके लिए टिकाऊ खाद्य उत्पादन प्रणालियों को लागू करने का प्रयास करना है। छोटे, सीमांत पैमाने के किसानों की भी उत्पादकता और आय बढ़ाकर उनके सम्मान का बोध कराना है। संयुक्त राष्ट्र का खुद कहना है कि दुनिया की आबादी के आठ प्रतिशत से अधिक हिस्से यानि लगभग 67 करोड़ से अधिक लोगों को पर्याप्त मात्रा में भोजन उपलब्ध नहीं है और वे भूखे पेट रहने के लिए मजबूर हैं। ये आंकड़ा दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे हैं इसलिए इस लेख को पढ़े जाने तक इसे 70 करोड़ के आंकड़े तक माना जाना चाहिए जो कि भूख के शिकार हैं।

यदि 2025 वैश्विक भूख सूचकांक यानि जीएचआई से पता चलता है कि भूख पर वैश्विक प्रगति रुक गई है। दुनिया के 42 देशों में भूख का स्तर गंभीर या चिंताजनक है, तो यह पूरी दुनिया को सोचना है कि इससे कौन-कौन सी और बाधाएं हमारे सामने अपना सर उठाकर खड़ी होने वाली हैं। गहरी जड़ें जमाई हुई ग़रीबी, सामाजिक असमानता, भोजन एवं संसाधनों तक पहुँच को सीमित करती हैं। विशेषतया ग्रामीण और हाशिए पर रहने वाले समुदायों में दीर्घकालिक भूख की समस्या बनी रहती है। भारत में खुद भूख एक समस्या आज भी है चाहे इसे स्वीकार किया जाए या न किया जाए। यदि नहीं स्वीकार किया जा रहा है तो इसका मतलब हम सच का सामना करने के लिए तैयार नहीं हैं। हम 80 करोड़ लोगों को मुफ़्त अनाज वितरण की बातें बार-बार कर रहे हैं तो भूख से उन्हें अलग करके देखा ही नहीं जा सकता। आखिर क्या कारण है कि हम उन्हें अनाज मुफ़्त में दे रहे हैं? यदि वे सक्षम नागरिक हैं तो उन्हें मुफ़्त का अनाज फिर क्यों दिया जा रहा है? भारत की इस समस्या का समाधान मुफ़्त अनाज वितरण नहीं है। भारत की इस समस्या का समाधान इस योजना को बार-बार बढ़ाते जाना भी नहीं है। देश के लोगों को उद्यमशील बनने हेतु निःसंदेह भारत सरकार ने प्रयास किया। आत्मनिर्भर भारत बनने हेतु स्टार्टअप, लखपति दीदी योजना, मुद्रा योजना और अनेक दूसरे एमएसएमई के तहत चलाई जा रही योजनाओं से प्रयास चल रहे हैं लेकिन यह बड़ा सच है कि देश में 80 करोड़ लोगों को 2014-15 में मुफ़्त अनाज वितरण शुरू किया गया और आज भी 80 करोड़ लोगों को मुफ़्त अनाज देने की बात सरकार कर रही है। ऐसे में भारत में यह चाहे गरीबी से निपटने की कोशिश मानी जाये या भुखमरी शून्य करने की बात कही जाए लेकिन समस्या का निदान इसे नहीं माना जा सकता और न ही यह कहा जा

सकता है कि हमने एसडीजी के लक्ष्य को हासिल करने में अभूतपूर्व सफलता हासिल कर ली है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेश ने यह स्वीकार किया है कि विश्व भर में, 67I3 करोड़ लोग आज भी हर रात भूखे पेट सोने के लिए मजबूर हैं जबकि हमारे पास भूख का अन्त करने और सर्वजन को अच्छा, स्वस्थ भोजन देने के लिए उपकरण, ज्ञान और संसाधन मौजूद हैं। इस बात में यह झूठ है कि सबकुछ मौजूद है और हम अंत भूख का नहीं कर पा रहे हैं। झूठ इसलिए है क्योंकि गुटेरेस भी जानते हैं कि विश्व के बहुत से देशों में युद्ध चल रहा है। बहुत से देशों के लोग प्रत्येक दिन विस्थापित हो रहे हैं। एक बड़ी बात यह है कि गुटेरेस इसके पहले संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी परिषद के उच्चायुक्त रहे हैं। वह जानते हैं की शरणार्थियों को शरणार्थी शिविरों में किस तरह का जीवन जीना पड़ता है और वहां भूखे लोगों को सोना पड़ता है। हमारे मैकेनिज्म को लेकर जो सवाल है वह सही है इस पर एंतोनियो गुटेरेश को ज्यादा जोर देना चाहिए और इसके निदान की अपील उनकी ओर से होनी चाहिए। अपील उन्होंने समय-समय पर किया है जैसा मैं उनको पढ़ते रहता हूँ वहां से पता चलता है लेकिन ठोस उपाय के लिए रणनीति उनके 10 वर्ष के महासचिव कार्यकाल में मूर्तरूप नहीं पा सकी, यह भी एक बड़ा सच है। यह उनके कार्यकाल का 10वां वर्ष है। भूख, भूख और भूख की चर्चा करते हुए एंतोनियो गुटेरेश ने अपने कार्यकाल के इतने वर्ष बिता दिए हैं लेकिन दुःख की बात यह है कि विश्व में कोई बड़ा चमत्कार नहीं देखने को मिला। आज भी एसडीजी-2 का लक्ष्य खुद कितना दूर है, यह वह भलीभांति जानते हैं। यह कहना भी गलत नहीं होगा कि सतत विकास लक्ष्य से सच में संयुक्त राष्ट्र बहुत दूर है और 2030 तक वह अपने 17 सूत्रीय एजेंडे के किसी भी लक्ष्य को हासिल करने में सक्षम नहीं है।

विश्व भूख की सचाई है कि कम आय, कमज़ोर बुनियादी ढाँचा और स्थानीय सेवाओं की कमी के कारण, महिलाओं और आदिवासी समेत हाशिए पर मौजूद समुदायों व अन्य लोगों को पर्याप्त भोजन नहीं मिल पाते हैं। दो-तिहाई सब-सहारा अफ्रीका में रहने वाले लोगों के हालात सुनते नहीं बनता। वहां चरम गरीबी व भूख है। सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों को मज़बूत करने तथा संकट-केन्द्रित सहायता से आगे बढ़कर ऐसे मॉडल को बढ़ावा देने की बातें की जाती रहीं लेकिन निम्न-आय वाले देश स्वयं समावेशी एवं टिकाऊ खाद्य प्रणालियाँ विकसित कर सकें, यह हो न सका। सेवाभावी चैरिटी करने वाले कॉर्पोरेट जगत के लोग यह ज़रूर प्रचारित करते हैं कि उनका भूख कम करने में अहम् योगदान है लेकिन यदि सब सहारा देशों के लोग भूखों मर रहे हों तो फिर उनकी चैरिटी का असर क्यों नहीं दिख रहा है? यह पहल समुदायों को सशक्त बनाती है ताकि वे भूख से पीड़ित लोगों की संख्या में कमी ला सकें, अपनी स्थानीय क्षमता बढ़ा सकें और दीर्घकालिक खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें, यह बार-बार कहा जाता है लेकिन समुदायों के भी प्रयास कोई व्यापक परिवर्तन नहीं कर सकें। दुनिया के राष्ट्रों को कल्याणकारी राज्य स्वयं को कहना अब बंद कर देना चाहिए। यह उनके द्वारा जो झूठ फैलाया जाता है की वे कल्याणकारी राज्य हैं, यह बिलकुल आज की सभ्यता के साथ मजाक लगता है। आज की सभ्यता का एक तरह से यह अपमान है क्योंकि सच सामने आता ही है भले राज्यों द्वारा भ्रम व झूठ की ढोल पीटी जाती रहे।

आने वाले समय में भारत की जिम्मेदारी बड़ी होगी। भारत खुद ऐसे झूठ से बचे जिसके खिलाफ वह खड़ा होने जा रहा है। भारत अन्य देशों के भी झूठ व भ्रम को रोके जो विश्व के हित में नहीं है खासकर भूख जैसी समस्या से जब निपटने की बात की जा रही हो। भारत की यह भी आने वाले समय में जिम्मेदारी है कि विश्व को भूख से निपटने के लिए एकजुट करे। यदि विश्व के एक भी नागरिक भूख से मर रहे हैं तो पूरे विश्व को नींद नहीं आनी चाहिए, इस तरह का संकल्प ही भूख से बचा सकते हैं और नागरिकों की गरिमा की सुरक्षा कर सकते हैं। आज भारत से खुद इसलिए प्रश्न है कि क्या वह इसके लिए सक्षम है और पूरी तरह से तैयार है?

कई साफ संकेत दे रहे हैं बिहार के चुनाव

राजनीति

अवधेश कुमार
लेखक दिल्ली निवासी वरिष्ठ पत्रकार हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा के पहले ही राजनीतिक दलों ने करो या मरो जैसा प्रश्न बनाने की राजनीति की है। राहुल गांधी ने महीनों पहले से ही चुनाव आयोग पर भाजपा के पक्ष में काम करने का आरोप लगाना शुरू किया। उन्होंने डर पैदा किया कि महाराष्ट्र में चुनाव आयोग ने भाजपा को जीताने के लिए मतदाताओं के नाम हटाए और जोड़े तथा मतदान के दौरान आंकड़ों तक में हेरा फेरी की और यही बिहार में दोहराया जाएगा। बड़ी तैयारी से दो बड़ी पत्रकार वार्ताएं आयोजित हुई। स्वयं उन्होंने बिहार में वोटर अधिकार यात्रा निकाली। इन सबका एक उद्देश्य यह था कि किसी तरह बिहार के लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार और भाजपा तथा चुनाव आयोग के विरोध में आयें, विद्रोह करें, सड़कों पर उतरें और आगामी चुनाव में उसे पराजित किया जा सके। चुनाव आयोग द्वारा पूरे देश के लिए निर्धारित विशेष मतदाता परीक्षण अभियान या एस आई आर की शुरुआत बिहार से करने के कारण भी यह चुनाव शीर्ष राष्ट्रीय मुद्दा बना रहा। हालांकि अंतिम सूची में सारे आरोप धराशायी हुए,किंतु इसका एक परिणाम यह हुआ कि बिहार विधानसभा चुनाव पिछले चुनावों से इस मायने में काफी भिन्न हो गया है कि देश ही नहीं भारत में रुचि रखने वाले दुनिया की भी दृष्टि यहां लगी हुई है।

बिहार के जमीनी हालात स्पष्ट करते हैं कि राहुल गांधी, कांग्रेस और अन्य पार्टियों के प्रचंड शोर के बावजूद धरातल पर तथाकथित वोट चोरी मुद्दा बिल्कुल नहीं है। पिछले दो वर्षों से ज्यादा समय से बिहार में यात्रा कर तीसरी शक्ति के रूप में खड़े होने की कोशिश कर रहे जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने इसका संज्ञान तक नहीं लिया। चुनाव प्रबंधक होने के कारण उन्हें मतदाता सूचियों, चुनाव की प्रवृत्तियों और परिणाम की अन्य अनेक नेताओं से ज्यादा अधिकृत जानकारी है। उनके एसआईआर के प्रति निरपेक्ष भाव का संदेश लोगों में यही गया कि राहुल गांधी, तेजस्वी यादव या गठबंधन के उनके अन्य साथी जानबूझकर चुनाव आयोग के साथ भाजपा के विरुद्ध लोगों के अंदर आक्रोश पैदा करने की रणनीति पर चल रहे हैं। इस रणनीति का विपक्ष के लिए सबसे बड़ी क्षति हुई कि चुनाव पूर्व के एक महत्वपूर्ण काल में बिहार सरकार के विरुद्ध संभावित मुद्दे भी उभर नहीं सके। जो मुद्दे है नहीं उसे बड़े-बड़े झूठ के आधार पर आप आरोप लगाते हैं, उत्तेजना पैदा करते हैं तो आम लोगों में विरुद्ध प्रतिक्रिया होती है और जमीन पर आपकी विश्वसनीयता कमजोर होती है। बिहार में एसआईआर को लेकर लोगों के अंदर यही भाव है और इसका चुनाव पर भी न्यूनाधिक असर पड़ना है। राजद और तेजस्वी यादव को इसका भान हुआ तो उस यात्रा के बाद बिहार अधिकार यात्रा में निकले। नाम में अधिकार यात्रा शब्द रहा लेकिन वोटर की जगह बिहार आ गया। इसमें उन्होंने सामान्य मुद्दे अवश्य उठाएं। वोटर अधिकार यात्रा के बारे में राजद की प्रमुखता वाले गठबंधन के समर्थकों की टिप्पणी यही है कि जितनी ऊर्जा, संसाधन उसमें लगाए गए उससे वास्तव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को ही लाभ हुआ।

अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय वातावरण ने भी विधानसभा चुनाव को हमेशा प्रभावित किया है और बिहार में इसका असर दिख रहा है। कुछ समय से दुनिया ऐसे मोड़ पर है जहां भारत के हर व्यक्ति के अंदर राजनीतिक निर्णय को लेकर सतर्कता बढ़ीहै। नेपाल की हिंसक उथल-पुथल के बाद आयोजित होने के कारण बिहार चुनाव इससे बिल्कुल अप्रभावित नहीं हो सकता। उसके पूर्व बांग्लादेश तथा श्रीलंका और इसी तरह आंदोलन में भारत के अंदर ऐसे ही करने के साफ दिखते प्रयासों के कारण बहुत बड़े वर्ग को शांति, स्थिरता, विकास और सुरक्षा पर ज्यादा संवेदनशील बनाया है। ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद कुछ देशों के भारत विरोधी रवैये से राष्ट्रवाद का भाव ज्यादा प्रखर हुआ है। बिहार क्षेत्रवाद की सोच से राजनीतिक व्यवहार करने वाला राज्य नहीं रहा। पूरे देश में हिंदुत्व के आधार पर भाजपा का एक ठोस वोट बैंक बन चुका है और चुनावों में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वक्फ संशोधन कानून पर मुस्लिम संगठनों के साथ राजद, कांग्रेस आदि के खड़ा होने तथा मुस्लिम कट्टरपंथ की घटनाओं पर उनकी चुप्पी के विरुद्ध गैर मुसलमानों के बड़े वर्ग में प्रतिक्रिया है। कांग्रेस के कारण विपक्ष जहां एसआईआर में फंसा रहा वहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा और केंद्र सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर से लेकर, अपनी विदेश नीति, रक्षा नीति को लोगों तक पहुंचाने के अभियान चलाएं, प्रधानमंत्री ने लाल किले से लोगों को सीमा के साथ धार्मिक और नागरिक स्थलों की सुरक्षा के प्रति सचेत करते हुए सुदर्शन चक्र की योजना रखी, सरकार जीएसटी में कटौती का बड़ा कर सुधार लेकर आ गई जिससे परिवारों को खर्चे में थोड़ी राहत मिल रही है। भाजपा इसे लेकर जनता के बीच गई जिसमें बिहार भी शामिल है। हालांकि भाजपा-जदयू और राजग केवल इन्हीं मुद्दों पर केंद्रित नहीं है। सच कहें तो विपक्ष के अभियान के समानांतर प्रधानमंत्री लगातार रेल, सड़क, हवाई अड्डा, अस्पताल, कॉलेज , स्कूल सहित आधारभूत संरचना एवं विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करते रहे तो दूसरी ओर कई योजनाओं में महिलाओं, किसानों, मजदूरों आदि के खाते में सीधे रकम स्थानांतरित हुई। इनमें मुख्यमंत्री रोजगार योजना के तहत करीब 1 करोड़ महिलाओं के खाते में भेजे गए 10 हजार रुपए तथा रोजगार में निवेश करने के प्रमाण पर भविष्य में दो लाख देने के वायदे से भी वातावरण बनाया है। यह कितना उचित है अनुचित इस पर बहस हो सकती है किंतु महिलाओं के बड़े वर्ग का वोट इससे राजग की ओर आने की संभावना बढ़ गई है। इसी तरह जीविका दीदी ने भी राजग के पक्ष में महिलाओं का सुदृढ़ीकरण किया है।

बिहार में पिछले विधानसभा चुनाव के समय तेजस्वी यादव की जबरदस्त लोकप्रियता थी, किंतु उपमुख्यमंत्री बनने के बाद जबसे विपक्ष में आए हैं वैसे स्थिति बिल्कुल नहीं है। बार-बार पाला बदलने और बीच के काल में तिलमिलाहट भरे वक्तव्यों और व्यवहारों से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की छवि कमजोर हुई थी। एक बड़ा समूह उनसे छुटकारा भी चाहने लगा था। पिछले सात आठ महीना में स्थिति काफी बदली है। भाजपा की नीति इस समय दिल्ली तथा उसके पूर्व हरियाणा, महाराष्ट्र में मिली जीत को कायम रखने की है। इसलिए वह किसी किस्म का जोखिम नहीं लेना चाहती। नीतीश कुमार को लेकर भाजपा के स्वर पूरी तरह बदल गए। एक-एक नेता उनके नेतृत्व में चुनाव लड़ने तथा पुनः उन्हें ही मुख्यमंत्री बनाए जाने का बयान दे रहे हैं। इसमें तेजस्वी यादव या अन्य नेताओं का यह कहना कि भाजपा चुनाव जीतने के बाद उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाएगी जनता के गले नहीं उतर रहा। प्रशांत किशोर ने लगातार अपनी यात्राओं , सभाओं और वक्तव्यों से बिहार से जुड़े अनेक आवश्यक, लोगों को स्पर्श करने वाली मुद्दे उठाए। इससे जन जागरण हुआ है। उन्होंने लालू यादव परिवार से लेकर भाजपा के प्रमुख नेताओं पर भी तीखे हमले किए हैं। बावजूद बिहार का वर्तमान राजनीतिक समीकरण बदल जाने की संभावना जमीन पर बिल्कुल नहीं दिखती है। मतदाताओं के सामने प्रश्न है कि केंद्र में नरेंद्र मोदी और प्रदेश में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार को कायम रखकर राजनीतिक स्थिरता,सामाजिक न्याय, शांति, विकास, मुस्लिम कट्टरपंथ का सरकार द्वारा नियंत्रण और सुरक्षा के प्रति निश्चिंत रहें या कुछ स्थानीय मुद्दों के कारण उनके विरुद्ध जाएं? इस सोच में विपक्ष के पक्ष में बहुमत मत नहीं दे सकता।

बिहार में जातीय सामाजिक समीकरण को प्रमुख कारक माना जाता रहा है। किंतु बिहार में हमने 2005 , 2010, 2014 और 2019 में बहुत बड़ी संख्या में लोगों को जातीय सीमाओं से उठकर मतदान करते भी देखा है। वैसे अभी तक प्रदेश में नीतीश कुमार और केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले राजग के सामाजिक समीकरण में भी क्षरण के संकेत नहीं हैं तो दूसरी ओर राजग नेतृत्व वाले गठबंधन में नए प्रभावी सामाजिक वर्गों के जुड़ने का भी कोई प्रमाण नहीं। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि पिछले चुनाव में चिराग पासवान की लोजपा का राजग से बाहर आकर 137 सीटों पर उम्मीदवार खड़ा करने के परिणामस्वरूप राजद गठबंधन को समतुल्य मत प्रतिशत एवं सीटें प्राप्त हुई । लोजपा गठबंधन में है तथा जीतन राम मांझी के हम एवं उपेंद्र कुशवाहा के लोकतांत्रिक मोर्चा के कारण शक्ति बढ़ी है। राजद नेतृत्व वाले गठबंधन में पशुपति पारस, विकासशील इंसान पार्टी और झारखंड मुक्ति मोर्चा इसकी भरपायी करेंगे ऐसा नहीं लगता।

दीपावली के बहाने मेल मुलाकात के अफसाने

कटाक्ष

राजेंद्र बज
लेखक व्यंग्यकार हैं।

हम उनके घर गए क्योंकि वह भी हमारे घर आए थे। रिश्ते तो निभाने से ही निभा करते हैं। एकतरफा रिश्ता ज्यादा समय तक नहीं चलता। वैसे तो अपने वालों से मिलने के लिए कोई बहाना बनाना जरूरी नहीं होता। और उस पर यदि दीपावली जैसा त्योहार सामने हो, तब तो शुभकामनाओं की पोटली लिए थोड़े बहुत परिचित के घर भी धमका जा सकता है। आमतौर पर यह हमारे लिए कभी भी घाटे का सौदा सिद्ध नहीं होता। वह तो हमारे खास थे। वह आए थे तो हमें जाना ही था। इसलिए चले आए। पावरफुल लोगों से मेल मुलाकात के चलते अंतर्मन में अतिरिक्त ऊर्जा का संचार जो होने लगता है।

अब यदि आदमी के सीधे किसी तोप से ताल्लुकात हो, तो उसका तो मात्र किसी को एक घुड़की दे देने से ही काम बन सकता है। अक्सर समझदार लोग हर तरह के लोगों से जीवंत संपर्क बनाकर चला करते हैं। कभी-कभी ऐसा भी होता है कि किसी तोप के नाम पर उस काम को भी मूर्त रूप दिया जा सकता है जो कि स्वयं तोप के बस में भी नहीं होता। बड़े आदमी से परिचय आम आदमी में इतना अतिरिक्त आत्मविश्वास भर देता है कि फिर उसके लिए मैं चौड़ा और रास्ता संकरा हो जाता है। यानी कि आदमी एकदम से हवा में उड़ने लगता है।

इन दिनों नजदीकी विपन्न नाते रिश्तेदार से दूरी बनाकर दूर के संपन्न रिश्तेदार से नजदीकी जताना आदमी की फितरत में शामिल होने लगा है। एक प्रकार से रिश्तों को भी आर्थिक आधार पर परिभाषित किया जाने लगा है। खैर। लंबे समय तक व्यवहार उन्हीं का चलता है जो व्यावहारिक होते हैं। कहते हैं न, ताली तो दोनों हाथों से ही बजती है। वैसे भी जमाने में इस हाथ दे और उस हाथ ले का गणित ही काम करता है।

ऐसे में जब हम बदले में किसी के यहां दीपावली मिलन के नाम पर पहुंचे, यह सहज स्वाभाविक था कि जलपान का निवेश करने पर जो मिलता वह ब्याज सहित मिलता। साफ़ कहूं तो उन्होंने ईंट का जवाब पत्थर से दे देने की तर्ज पर हमारे छह आइटम के बदले सात आइटम परोसे थे। दरअसल किसी की किसी के प्रति क्या भावना है, इसका पता आवभगत के स्वरूप के आधार पर भी चल सकता है। कभी-कभी तो कुछ अप्रत्याशित आवभगत होने पर आदमी का दिमाग घुम जाता है। यदि कोई घर आए और हम चाय बिस्किट की खातिरदारी करें और फिर जब उनके यहां जाएं तो सुसज्जित नाश्ते की प्लेट नजर की जाए, तो हमें अपनी करनी याद आ जाती है।

ऐसे में हमारे मन में 'भूल सुधार' के भाव जागृत हो जाते हैं। और फिर हम हमारे यहां उनके आने की प्रतीक्षा करते हैं। यहसिलसिला चलता रहे तो वक्त आने पर सामने वाला हमारे लिए तुरूप का इक्का साबित हो सकता है। कभी-कभी आम आदमी के खास आदमी से कुछ खास तरह के संबंध भी विकसित हो जाते हैं। जी हां, जमाने भर के दुख-सुख में साथ देने वालाऔर वक्त आने पर हमें उनमें भामाशाह के दर्शन भी हो सकते हैं। वैसे तो निवेश के अनेक माध्यम है, जो वित्तीय लाभ देते हैं। लेकिन पैसा ही सब कुछ नहीं होता, मॉरल सपोर्ट भी बहुत मायने रखता है।

अब जहां मॉरल सपोर्ट की भावना किसी के मन में होती है, तो यथाशक्ति वह भामाशाह भी सिद्ध हो ही सकता है। इसलिए आदमी को चाहिए कि बिना किसी हाजिर स्वार्थ के अलग-अलग लोगों से अलग-अलग प्रकार के रिश्ते गांठ कर चले। क्योंकि इस जमाने में कोई ठिकाना नहीं कि हमें कब, किससे और कैसा काम पड़ जाए !

बचपन में एक किस्सा सुना था कि एक वृद्ध महिला किसी संत के प्रवचन में देवताओं का बखान आने पर जय हो का उद्घोष करती थी। लेकिन जब दानवों का उल्लेख किया जाता तब भी वह महिला जय हो का उद्घोष किया करती थी। संत के संज्ञान में यह बात आते ही प्रवचन के उपरांत उन्होंने महिला को रोक कर पूछ ही लिया कि देवताओं की जय यह तो ठीक है, लेकिन दानवों की भी जय करने के पीछे क्या कारण है ? महिला आज के जमाने के व्यवहारिक विचारों वाली थी, बोली - 'महाराज जी, आजकल जमाना बड़ा खराब चल रहा है। कहते नहीं आता कि हमें कब, किससे और कैसा काम पड़ जाए ? इसलिए देवताओं के साथ-साथ दानवों को भी साधकर रखना पड़ता है।'

गरज यह कि हमें जमाने में सुख चैन से जीने के लिए अलग-अलग तरह के लोगों से अलग-अलग तरह के संबंध रखना चाहिए। इन संबंधों के निर्वहन में दीपावली एक महत्वपूर्ण त्योहार है। अब खास-खास तो अपने खास होते ही हैं, लेकिन जो आम लोगों के लिए खास होते हैं - उनसे खास तरह के रिश्ते गांठने के लिए दीपावली एक अवसर है। इस दौर की भेंट को कोई भी शख्सियत अन्यथा नहीं ले सकती। जहां जलपान जरूरी नहीं हो, वहां भी शुभकामनाओं का आदान-प्रदान निकट भविष्य में जलपान के साथ खातिरदारी का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। यूं भी कोई भी संबंध विकसित करने के लिए प्रारंभिक शिष्टाचार का तो पालन करना ही होता है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

किस्सा ए नोबेल शांति पुरस्कार का

व्यंग्य

डॉ. श्रीकांत द्विवेदी
(साहित्यकार और व्यंग्यकार)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आखिरकार इजरायल और हमास को भी युद्ध विराम के लिए तैयार करवा ही लिया। अपने इंटरनेट मीडिया ट्रूथ सोशल पर लिखा कि इजरायल और हमास दोनों ने हमारी शांति योजना के पहले चरण पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। मानना होगा ट्रंप के कूटनीतिक दांव-पेच को। दो साल तक चलाएं गए इस संघर्ष में 67 हजार से ज्यादा मौतें हुई और पौने दो लाख लोग घायल भी हुए। दुनिया जानती है कि युद्ध चाहे इजरायल और हमास के बीच हो या फिर यूक्रेन और रूस के बीच ही क्यों न हो, पर्दे के पीछे तो अमेरिका ही रहा है। अमेरिका का तो काम ही रहा है... पहले दो देशों के बीच दाने डाल दो, फिर उन्हें आपस में लड़ाओ भी। लड़ने के लिए सैन्य सामग्री भी दो। ठीक से लड़-भिड़ लेने के बाद दोनों देशों को आपस में समझाना। युद्ध विराम के लिए पहल करना। पहल को नाम भी देना 'शांति योजना।'

वाकई में दाद देना होगी ट्रंप के दिमाग की। दुनियाभर में अपनी दादागिरी का सिक्का चलाना। जो उसकी दादागिरी को न माने, उसे अपने ढंग से मनवाना। ऊपर से शांति योजना लाना। दुनिया को बताना कि एक मात्र मैं ही शांति के लिए प्रयास कर रहा हूं। इस लिए नोबेल शांति पुरस्कार मुझे ही मिलना चाहिए। मैं ही हूं इस पुरस्कार का सच्चा हकदार। क्या-क्या जतन न किए ट्रंप ने इस पुरस्कार के वास्ते। यहां तक कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल मुनीर को व्हाइट हाउस बैठाकर लंच भी कराया। हमारे पीएम मोदी जी को भी बुलाया था। मोदीजी काम का बहाना कर लंच पर गए नहीं। वहीं एक प्लेट लंच की कीमत अदा करने की खातिर लगे हाथ मुनीर ने वचन दे डाला कि ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित करेगा पाकिस्तान। कितने अचरज की बात है कि आतंकवाद का पनाहगार और प्रशिक्षक देश पाकिस्तान नोबेल शांति पुरस्कार देने की सिफारिश कर रहा हो। वह भी मौकापरस्त ट्रंप के लिए। यानी एक चोर, दूसरे चोर के लिए ईमानदारी के तमगे की वकालत कर रहा हो । इसे ही कहते हैं 'सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली।'

इधर, नोबेल पुरस्कार की ढेर सारी उम्मीदें पाल कर बैठे ट्रंप की उम्मीदें उस समय ध्वस्त हो गई, जब वेनेजुएला की नेता प्रतिपक्ष मारिया कोरिना मचाडो नोबेल शांति पुरस्कार के लिए चुन ली गई। ट्रंप की सारी खेमेबाजी मुंगेरीलाल के हसीन सपने की तरह धरी रह गई। राष्ट्रपति चुनाव में भले ही ट्रंप ने एक महिला उम्मीदवार कमला हैरिस से जीत हासिल कर ली हो, मगर नोबेल शांति पुरस्कार के मुकाबले में एक महिला से ही मात खा गए । अब इसकी प्रतिक्रिया में हो सकता है ट्रंप शोले के गब्बर की स्टाइल में नॉर्वेजियन नोबेल समिति की ईंट से ईंट बजाने की बात कर दे और कालिया की तरह पाक जनरल को कह दे कि 'तेरा क्या होगा मुनीर!' बदले में मुनीर यूं गिड़गिड़ा सकता है 'सरदार मैंने आपका लंच खाया है। 'ट्रंप' तो अब गोली भी खा।' कुछ भी हो, बहरहाल तो दिल के अरमा आंसुओं के संग बह गए।

छठ पूजा विशेष

डॉ. वीरेन्द्र प्रसाद

विशेष सचिव, कृषि विभाग
(बिहार सरकार)

पौराणिक मान्यताओं एवं वैश्विक सांस्कृतिकरण वाला महापर्व

हिन्दी, मैथिली, मगही और भोजपुरी भाषा समुदाय के जनमानस में रचा बसा एवं संस्कृति में समाहित है। उत्तर भारतीयों द्वारा विदेशों में भी उसी श्रद्धा और उत्साह से मनाया जा रहा है। छठ पूजा सूर्य, प्रकृति, जल, वायु और उसकी बहन छठी मैया को समर्पित है, जिसका ध्येय उन्हें पृथ्वी पर जीवन की देवताओं को बहाल करने के संदर्भ में होता है। त्योहार का अनुष्ठान संयमित कठोर साधना के साथ चार दिनों की अवधि में मनाया जाता है। इसमें पवित्र स्नान उपवास और पीने के पानी से दूर रहना, लंबे समय तक पानी में खड़ा रहना, प्रार्थना, प्रसाद और अर्घ्य देना शामिल है।

कार्तिक शुक्ल पक्ष के षष्ठी को मनाया जाने वाला लोक आस्था का महापर्व छठ अति प्राचीन, प्राकृतिक, पारंपरिक एवं पारिवारिक पावन पर्व है। सूर्य उपासना का यह अनुपम लोक पर्व मुख्य रूप से बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई क्षेत्रों में मनाया जाता है। हिन्दी, मैथिली, मगही और भोजपुरी भाषा समुदाय के जनमानस में रचा बसा एवं संस्कृति में समाहित है। उत्तर भारतीयों द्वारा विदेशों में भी उसी श्रद्धा और उत्साह से मनाया जा रहा है। छठ पूजा सूर्य, प्रकृति, जल, वायु और उसकी बहन छठी मैया को समर्पित है, जिसका ध्येय उन्हें पृथ्वी पर जीवन की देवताओं को बहाल करने के संदर्भ में होता है। त्योहार का अनुष्ठान संयमित कठोर साधना के साथ चार दिनों की अवधि में मनाया जाता है। इसमें पवित्र स्नान उपवास और पीने के पानी से दूर रहना, लंबे समय तक पानी में खड़ा रहना, प्रार्थना, प्रसाद और अर्घ्य देना शामिल है।

इसकी शुरूआत अत्यंत प्राचीन है। मान्यताओं के अनुसार मुंगेर में सीता पत्थर (सीता चरण) सीताचरण मंदिर, जो मुंगेर में गंगा के बीच के शिलाखंड पर स्थित है, जहाँ माता सीता ने सर्वप्रथम छठ पर्व मनाया था। इसके आस-पास के इलाके यथा- मुंगेर और बेगूसराय में छठ महापर्व को बड़े धूम-धाम से मनाया जाता है। एक अन्य मान्यता के अनुसार प्रथम देवासुर संग्राम में जब असुरों के हाथों देवता हार गए थे, तब देवमाता अदिति ने तेजस्वी पुत्र की प्राप्ति के लिए देवारण्य के देवासूर्य मंदिर में रनवे (छठी मैया) अपनी पुत्री की अराधना की थी। जिससे प्रसन्न होकर छठी मैया ने सर्वगुण संपन्न तेजस्वी पुत्र होने का वरदान दिया। इसके बाद अदिति के पुत्र हुए। त्रिदेव रूप भक्त आदित्य भगवान जिन्होंने असुरों पर देवताओं को विजय दिलाया

छठ पर्व के संबंध में अनेक अन्य कथाएं प्रचलित हैं। उनमें एक कथा के अनुसार जब पांडव अपना सारा राज-पाट जुए में हार गए, तब भगवान श्रीकृष्ण द्वारा बताए गये मार्गदर्शन के अनुसार द्रौपदी ने सर्वप्रथम छठ व्रत का अनुष्ठान किया था, जिससे उनकी मनोकामना पूर्ण हुई एवं पांडवों को उनका राज-पाट और प्रतिष्ठा पुनः प्राप्त हुआ।

यह महापर्व सौहार्द पूर्ण वातावरण में स्वच्छ नदी के तट पर सामुदायिक रूप से मनाया जाने वाला चार दिवसीय उत्सव है, जो कार्तिक चतुर्थी से प्रारंभ होकर कार्तिक शुक्ल सप्तमी को समाप्त होती है।

नहाय-खाय के साथ होता है महापर्व का आगाज

नहाय-खाय वाले दिन घर की साफ-सफाई के पश्चात व्रती नजदीक अवस्थित गंगा नदी या गंगा की सहायक नदी या स्वच्छ तालाब में स्नान करते हैं। लौटते समय वो साथ में गंगा जल लेकर आते हैं, जिसका उपयोग वे खाना बनाने में करते हैं। व्रती इस दिन सिर्फ एक ही बार खाना खाते हैं। खाना सामान्यतः कांसा, पीतल अथवा मिट्टी के बरतन में पकाया जाता है। खाना पकाने के लिए आम की लकड़ी और मिट्टी के चुल्हे का इस्तेमाल किया जाता है। खाना में व्रती कद्दु की सब्जी, चना दाल, अरवा चावल एवं सेंधा नमक का प्रयोग करते हैं। सबसे पहले व्रती द्वारा भोजन किया जाता है। उसके बाद प्रसाद स्वरूप सारा परिवार उसी भोजन को ग्रहण करते है। कद्दु की सब्जी सेवन करने की वजह से नहाय खाय को कदुआ भात के नाम से भी जाना जाता है।

खरना का महात्म्य : निःशब्द शांतता एवं एकांत में होता है पूजन

चार दिवसीय छठ पर्व का दूसरा दिन खरना या लोहण्डा के नाम से जाना जाता है, जो कार्तिक शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन व्रती सारा दिन निर्जला उपवास रखते हैं। शाम को अरवा चावल, गुड़ अथवा गन्ने के रस का उपयोग कर खीर बनाया जाता है। व्रती द्वारा सूर्य देव को नैवेद्य अर्पित कर घर के एकांत में शांत माहौल में उसे ग्रहण किया जाता है। व्रती द्वारा खरना का प्रसाद ग्रहण करने के उपरांत परिवार एवं

रिश्तेदार उसी खीर(रसिया) रोटी, केला एवं अन्य फल को प्रसाद स्वरूप पाते हैं। इस संपूर्ण प्रक्रिया को खरना कहा जाता है। खरना पूजन के पश्चात अगले 36 घंटे के लिए व्रती द्वारा निर्जला उपवास किया जाता है।

अस्ताचल एवं उदयगामी भास्कर को दिया जाता है अर्घ्य

महापर्व के तीसरे दिन पूजा के लिए विशेष प्रसाद के रूप में व्रतियों द्वारा स्वनृपित गेहूँ के आटे से निर्मित काठ के विशेष प्रकार के डिजाईनदार सांचे पर गाय घी से निर्मित ठेकुआ तथा चावल का लड्डू (लडूआ) बनाया जाता है। प्रसाद में सामान्यतः इस ऋतु में फलने वाले फलों का ही उपयोग होता है। छठ पूजा के लिए बांस की बनी हुई टोकरी में पूजा का सूप, प्रसाद, फल आदि रखकर डाला या दाऊरा सजाया जाता है। संध्या बेला से पूर्व पुरुष श्रद्धालु दौउरा को अपने सिर पर रखकर हर्षोल्लास के साथ नदी किनारे (छठ घाट) पहुँचते हैं। महिलाएं छठ माता का सुमिरन करते हुए मंगल लोक गीत गाते हुए छठ घाट तक जाती हैं। सूर्यास्त से पूर्व सूर्य देव के पूजा की सूप लेकर घुटने भर पानी में पश्चिम दिशा में मुख कर खड़े हो जाते हैं। डूबते हुए सूर्य की अर्घ्य देकर पाँच बार परिक्रमा की जाती है। संध्या अर्घ्य के पश्चात् कुछ श्रद्धालु घाट पर ही सारी रात रूक जाते हैं, जबकि अधिकांश लोग छठ का गीत गाते हुए डाला लेकर घर आ जाते हैं।

चौथे दिन सुबह उदयमान सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। सूर्योदय से पहले ही व्रती अपने परिजनों के साथ घाट पर पहुँच जाते हैं। संध्या अर्घ्य में अर्पित पकवानों एवं फल-फूल को प्रतिस्थापित कर दिया जाता है एवं नए पकवान/फल-फूल अर्पित किए जाते हैं। सभी नियम विधान संध्या अर्घ्य की तरह ही होता है। सिर्फ व्रती लोग इस समय पूर्व की ओर मुँह कर पानी में खड़े होते हैं एवं उगते हुए भगवान सूर्य की उपासना करते हैं। पूजा अर्चना समाप्तोपरांत घाट का पूजन करते हुए उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाता है। व्रती घर वापसी के दौरान समीपस्थ पीपल, जिसे ब्रह्म बाबा का स्वरूप माना जाता है, का जलाभिषेक एवं पूजा अर्चना करते हैं। पूजा के पश्चात् व्रती शरबत पीकर एवं थोड़ा प्रसाद खाकर व्रत पूर्ण करते हैं, जिसे पारण या परणा कहते हैं। व्रती लोग खरना दिन से पारण तक निर्जला उपवासोपरांत आज सुबह ही नमकयुक्त भोजन ग्रहण करते हैं।

इस प्रकार यह व्रत एक कठिन तपस्या की तरह है, जिसमें चार दिन के इस व्रत में व्रती को लगातार उपवास करना होता है एवं भौतिक सुख-सुविधाओं का त्याग कर पारंपरिक तरीके से सूर्य की अराधना करनी होती है। सूर्य उपासना की परंपरा में कभी देवताओं के रूप में कभी मानवीय रूप में और कभी अरोग्य देवता के रूप में इसकी परिकल्पना की गई है। पौराणिक लोक कथाओं में रामायण, महाभारत एवं पुराणों में भी इस पर्व का जिक्र मिलता है।

छठ पूजा का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष इसकी पवित्रता एवं सादगी है। भक्ति और आध्यात्म से परिपूर्ण इस पर्व में प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग होता है।

हिंदू धर्म का यह एक अनोखा पर्व है, जिसमें किसी पंडित अथवा पुजारी की कोई आवश्यकता नहीं होती है तथा प्राकृतिक रूप से व्रती द्वारा स्वयं पूजा की जाती है। जाति और लैंगिक भेद-भाव के बिना सामूहिक रूप से मनाए जाने वाले इस पर्व में वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित वैश्विक ऊर्जा के स्त्रोत सूर्य को भगवान मानते हुए उनकी अराधना लगातार चार दिनों तक की जाती है। यह सामाजिक सहजीविता का अनुपम उदाहरण है, समाज के तथाकथित निचले वर्गों द्वारा निर्मित बांस से बने हुए सामान बिना भेद-भाव के पूरी निष्ठा से सभी समुदायों के घरों में लाया जाता है। यह परिवार के बंधनों को जोड़ने में महत्ती भूमिका निभाता है।परिवार के सभी सदस्य छठ मनाने एक जगह आकर एकत्रित होते हैं।

सौहार्द्र, समभाव, स्वच्छता, समानता एवं पारस्परिक समुदाय का संदेश देने वाला छठ लोक आस्था का ऐसा महापर्व है जहाँ अंतःकरण की शुद्धता के साथ बाह्य स्वच्छता का भी विशेष ध्यान रखा जाता है।

समाज

डॉ. रमेश ठाकुर

सदस्य, राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान, भारत सरकार

'डिजिटल क्राइम' में और जकड़ गया 'बचपन'?

बढ़ते चाइल्ड क्राइम पर केंद्रीय हुकूमत से लेकर पॉक्सो अधिनियम, जुवेनाइल जस्टिस एक्ट व बाल अधिकार आयोग, निपसिड जैसे विभाग भी चिंतित और रोकने को लेकर प्रयासरत हैं। लेकिन, उतनी सफलता नहीं मिल रही, जितने की उम्मीदें हैं। बहरहाल, बाल अपराधां को रोकने के समाधान क्या हों? ये ऐसा विषय बन चुका है जिस पर विमर्श लंबे वक्त से जारी है। अब तक के विमर्श से जो निष्कर्ष निकला उसमें मुकम्मल रूप से दो कारण तेजी से उभरें। अव्वल, एकल परिवार के संस्कारों में तेजी से होता बिखराव, वहीं, दूसरा पारिवारिक एकता के मूल्यों में आयी गिरावट ने इन अपराधों का ज्यादा हौसला बढ़ाया है।

'राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो' (एनसीआरबी) की हालिया रिपोर्ट ने बच्चों पर बढ़ते अपराधों पर फिर से सोचने पर विवश किया है। पिछली रिपोर्ट के मुताबिक इस बार करीब 10 फीसदी आपराधिक मामलों बढ़ोतरी बताई है।

वर्ष-2023-24 में छोटे बच्चों के विरूद्ध देशभर में 1,77,335 आपराधिक मामले दर्ज हुए। ये मामले हिंदी पट्टी वाले क्षेत्रों में ज्यादा रहे, जिनमें उत्तर प्रदेश, हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, बिहार, उत्तराखंड जैसे राज्य कतार में सबसे उपर हैं। दरअसल, ये मामले सामान्य नहीं, असामान्य हैं? असामान्य का मतलब, ऑनलाइन शोषण और साइबर ग्रूमिंग इन तकनीकों ने नए सिरे से नए अपराध को जन्म दे डाला है। तस्करों के चंगुल में नौनिहाल ऑनलाइन या ग्रूमिंग के जरिए आसानी से फंस रहे हैं।

चाइल्ड क्राइम की इस नई तकनीक को कानून ने 'डिजिटल अपराध' का नाम दिया है। बाल अपराधों में 'डिजिटल खतरों' का बढ़ना निसंदेह चिंताजनक कहा जाएगा। इन बढ़ते अपराधों पर लगाम लगाने को सरकारी तंत्र भी हांफने लगा है। केंद्र सरकार की पहल पर विभिन्न राज्यों में अलग से साइबर थानों को स्थापित करना, डिजिटल क्राइम प्रोटेक्शन विंग का बनाना, पुलिसकर्मियों की अलग से तैनाती के अलावा विदेशी तकनीकों का इस्तेमाल करने के बावजूद भी सफलता नहीं मिल रही।

साल-दर-साल चाइल्ड क्राइम घटने के वजाय बढ़ रहे हैं। इन नाकामियों पर हम सिर्फ शासन-प्रशासन को ही दोषी नहीं ठहरा सकते हैं। बल्कि समाज की सामूहिक असफलता भी बड़ा कारण है। ऐसे अपराधों को रोकने में सामाजिक चेतनाएं शांत हैं, अब उनका जगना बेहद जरूरी हो गया है। क्राइम होते देखकर भी लोग मुंह फेर लेते हैं। लेकिन, इतना ध्यान रहे, नए जमाने का ये नया अपराध कभी भी, कहीं भी, किसी के चौखट पर दस्तक दे सकता है? इसलिए सबों को मिलकर इस लड़ाई से लड़ना होगा। बाल तस्करी देश के कोने से कोने में हो रही है। वैसे, देखा जाए तो बाल अपराध सर्वाधिक घरों से ज्यादा पनप रहे हैं।

मौजूदा राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट भी इसी ओर इशारा करती है। चाइल्ड क्राइम में तकरीबन नब्बे फीसदी भागीदारी अपनो की बताई गई है। छोटे बच्चों से जबरदस्ती करना, और बलात्कार के मामलों में चाचा, मामा, पापा, पिता या अन्य किसी करीबी का होना ही बताया है। बाल अपराधों को घटित करने में चाहे बाहरी हो या घर का सभी डिजिटल का सहारा लेते हैं। एंड्राइड फोन का लालच देकर बच्चों को फंसाते हैं और उसके बाद अपने मंसूबों को अंजाम देते हैं।

एनसीआरबी की माने तो हैदराबाद, देहरादून, लखनउ, बरेली व चंडीगढ़ में कुछ ऐसे केस रिपोर्ट हुए हैं, जहां अपनो ने ही अपने बच्चों को फोन में एडल्ट फिल्में दिखाकर उनका शोषण किया। इन हरकतों को देखकर ही लगता है कि बच्चों पर डिजिटल खतरे अब ज्यादा मंडराने लगे हैं। बचाव के लिए बच्चों पर निगरानी ही समाधान का पहला रास्ता है। बच्चे किसी भी क्राइम जैसे हिंसा, शोषण, बलात्कार, अपहरण और यौन अपराधों की भेंट न चढ़े उसके लिए हमें चौबीसों घंटे बच्चों के प्रति चौकन्ना रहना होगा। जिना हो सके, बच्चों को फोन मुहैया न करवाएं, तो बेहतर होगा। एनसीआरबी के आंकड़े न सिर्फ सोचने पर मजबूर कर रहे हैं, बल्कि सर्मसार भी? पिछले वर्ष दर्ज पॉक्सो मामलों में इस बार एक तिहाई बच्चियों का रेप उनके अपनों ने ही किया। 3569 मामलों में 3,224 में परिवार के सदस्य ही आरोपी रहे। कम उम्र की बच्चियों से उम्रदराज लोगों द्वारा जबरन विवाह करना, अपहरण, मानव तस्करी, जबरन भीख मंगवाना, बच्चों को बेचना, या उनका यौन शोषण करने का सिलसिला तो बदस्तूर जारी ही है।

बढ़ते चाइल्ड क्राइम पर केंद्रीय हुकूमत से लेकर पॉक्सो अधिनियम, जुवेनाइल जस्टिस एक्ट व बाल अधिकार आयोग, निपसिड जैसे विभाग भी चिंतित और रोकने को लेकर प्रयासरत हैं। लेकिन, उतनी सफलता नहीं मिल रही, जितने की उम्मीदें हैं। बहरहाल, बाल अपराधां को रोकने के समाधान क्या हों? ये ऐसा विषय बन चुका है जिस पर विमर्श लंबे वक्त से जारी है। अब तक के विमर्श से जो निष्कर्ष निकला उसमें मुकम्मल रूप से दो कारण तेजी से उभरें। अव्वल, एकल परिवार के संस्कारों में तेजी से होता बिखराव वहीं, दूसरा पारिवारिक एकता के मूल्यों में आयी गिरावट ने इन अपराधों का ज्यादा हौसला बढ़ाया है।

निश्चित रूप से डिजिटल खतरे बच्चों पर मानसिक और भावनात्मक असर डाल रहे हैं। जो बच्चा इन अपराधों का पीड़ित रहा हो, उससे जल्द बाहर निकलना उसके लिए उतना आसान नहीं होता। प्रत्येक अभिभावक को अपने व्यस्तम समय से थोड़ा समय निकालकर अपने बच्चों से संवाद करना चाहिए, हर प्रकार की बातें उनसे शेयर करते रहना चाहिए, बच्चों को पारिवारिक कलहों से अलग रखना चाहिए। फेंडली वातारण बच्चों में रखना चाहिए।

वक्रोक्ति

विवेक कुमार मिश्र

लेखक हिंदी के प्रोफेसर हैं।

कविता का नोबल पुरस्कार मिलना चाहिए

अक्सर साहित्य में इस बात की चर्चा होती रहती है कि हमें मानुष धर्म को निभाना है। हमारे उद्देश्य में मनुष्य सबसे उपर है पर मनुष्य को किनारे छोड़ते हुए कैसे आगे बढ़ा जा सकता है इसका पाठ भी सबसे पहले शायद कहीं शुरू हुआ होगा तो वह साहित्य का ही परिसर रहा होगा । हर साहित्यकार कुछ और करें या न करें पर अपने को अपने कद से कई गुना ऊंचा मान बैठा होता है। इस ऊंचाई पर वह अपना जन्मजात हक मानता है। साहित्यकार के पास कुछ खोने के लिए होता नहीं है और पाने के लिए भी कुछ खास ऐसा नहीं होता जिसे कुछ कहा जाए कि हां वह जो कुछ पाया है वह साहित्य के कारण पाया है। अब ले-देकर साहित्यकार के पास एक पुरुस्कार ही होता है जिसे पा लेना जीवन सिद्ध करने जैसा ही होता है। साहित्यकार के जीवन में पुरुस्कार विशेष महत्व रखते हैं। पुरुस्कार मिलते ही साहित्यकार को पता चलता है कि वह इस पृथ्वी पर महत्वपूर्ण आदमी है।

क्या कर रहे हैं आजकल? सब एक दूसरे से बस यहीं पूछते हैं। जैसे कि वो कुछ न कर रहा हो तो किसी को कुछ लेना-देना हो, पर सब एक दूसरे के बारे में वह सब जानना चाहते हैं कि कहीं वह कुछ पा न जाएं। इस ज़माने में या पिछले जमाने में भी कहां कोई किसी को खुश होते, पुरुस्कार पाते देखना चाहते थे, सबकी बस एक ही कोशिश होती है कि जो कुछ है वह सब उसे ही मिल जाएं। उसे न मिले तो वह पुरुस्कार ही खत्म हो जाएं। इस तरह से यह दुनिया एक दूसरे को स्वीकार करते हुए आगे बढ़ने की जगह एक दूसरे को नकारते हुए आगे बढ़ते रहने की कहानी बुनती रहती है। अक्सर साहित्य में इस बात की चर्चा होती रहती है कि हमें मानुष धर्म को निभाना है। हमारे उद्देश्य में मनुष्य सबसे उपर है पर मनुष्य को किनारे छोड़ते हुए कैसे आगे बढ़ा जा सकता है इसका पाठ भी सबसे पहले शायद कहीं शुरू हुआ होगा तो वह साहित्य का ही परिसर रहा होगा । हर साहित्यकार कुछ और करें या न करें पर अपने को अपने कद से कई गुना ऊंचा मान बैठा होता है। इस ऊंचाई पर वह अपना जन्मजात हक मानता है। साहित्यकार के पास कुछ खोने के लिए होता नहीं है और पाने के लिए भी कुछ खास ऐसा नहीं होता जिसे कुछ कहा जाए कि हां वह जो कुछ पाया है वह साहित्य के कारण पाया है। अब ले-देकर साहित्यकार के पास एक पुरुस्कार ही होता है जिसे पा लेना जीवन सिद्ध करने जैसा ही होता है। साहित्यकार के जीवन में पुरुस्कार विशेष महत्व रखते हैं। पुरुस्कार मिलते ही साहित्यकार को पता चलता है कि वह इस पृथ्वी पर महत्वपूर्ण आदमी है। उसका होना भी होना है। लोग-बाग अचानक से उसे देखने लगते हैं कि अरे! यहीं साहित्यकार जी हैं इन्हें कोई बड़ा पुरस्कार मिला है। पुरुस्कार मिलते ही अखबार में, जगह जगह साहित्यकार जी का फोटो आने लगता है, लोग हैं कि माला लेकर उनके आगे पीछे घूमते हैं और साहित्यकार जी भी कम नहीं हैं किसी को भी समय नहीं देते और यदि समय दे दिये तो समय पर आते नहीं हैं। उन्हें किसी ने समझा दिया है कि यदि समय पर आ गए तो कोई आपको महत्वपूर्ण आदमी मानेगा ही नहीं। इसीलिए साहित्यकार जी बहुत टाइम लगाकर मिलते हैं। माला पहनते हैं तो तुरंत उतारते ही नहीं दो चार दिन उसी माला की गंध को महसूस करते चलते रहते हैं। इतना कुछ करने के बाद यदि किसी साहित्यकार को कोई बड़ा पुरस्कार मिल जाता है तो वह इतराता है तो इसमें कोई बुराई भी नहीं पर साहित्यिक व्यक्ति इतराते नहीं और विनम्र हो जाते हैं और बार बार यह घोषित करते हैं कि इस पुरुस्कार को पाने से वे बड़े नहीं हुए हैं वे तो पहले से ही बड़े आदमी थे उनके पास खानदानी साहित्यिक व्यक्ति होने का प्रमाण-पत्र है। खानदानी रूप से वे पुरुस्कार पाने के हकदार थे यह तो लोगों की कमी है कि किसी ने उनकी नोटिस नहीं ली तो उन्होंने बताना शुरु किया कि वे कितने बड़े साहित्यकार हैं। फिर हर कार्यक्रम में विनम्रता पूर्वक जाकर बैठ जाते थे, सबसे पीछे की पंक्ति में बैठते थे कि किसी की भी नजर पड़ेगी तो उनकी उम्र और वरिष्ठता क्रम का ध्यान रखते हुए उन्हें मंच पर बिठायेगा ही यदि किसी ने नहीं बिठाया तो यह कहते हुए निकलते कि आजकल कोई किसी का ख्याल नहीं रखता। इस तरह से उनका साहित्यिक कारोबार आजकल तेजी से चल रहा है। इसी कारण वे व्यस्त रहते हैं। पर अपनी व्यस्तता के बावजूद हर किसी के लिए समय निकाल लेते हैं। समय निकालने की कला कोई उनसे सीखे। इस ज़माने में भला कोई भी कहां खाली रहता। साहित्यकार तो बिल्कुल ही खाली नहीं होते उन्हें तो सांस लेने के लिए भी सोचना पड़ता है कि समय कितना है और कितना नहीं। यह बात कोई और नहीं समझेगा बस वही समझेगा जो साहित्य को जीया होता है। जब भी कोई पूछता है कि क्या कर रहे हैं तो साहित्यकार जी का एक ही उत्तर होता है कि कुछ नहीं थोड़ा व्यस्त हैं। व्यस्त किस बात से हैं । यह न तो उन्हें पता है न ही किसी और को पता है पर व्यस्त हैं। कोई कहेगा कि आप तो लेखक हैं। तो तुरंत बतायेंगे कि अभी हाल में ही तिरेपनवीं किताब गद्य पद्य में एक साथ पूरी की है। बायें हाथ से गद्य लिखता हूं और दायें हाथ से कविता। कवि हूं मूल रूप से पर लिखता हूं और नियमित लिखता हूं इसलिए लेखक हूं। जो नहीं हूं वह भी समय समय पर कर लेता हूं। लेखक और कवि के बीच घूमता रहता हूं। आप चाहें तो लेखक मान लें और नहीं माने तो कवि तो हूं ही। कवि होने से कोई भी रोक नहीं सकता। इसीलिए सबसे एक ही बात कहता हूं मैं कवि हूं और कवि ही बने रहना चाहता हूं। फिर किस बात की व्यस्तता। कवि तो जब चाहे तब खुश हो लें और कुछ लिख दें। कवि के लिए लिखना बायें हाथ का खेल है। फिर भला कवि होकर कोई परेशान कैसे हो सकता। अब परेशान होना क्या औरों का काम है और कवि बस कविता करता रहे और मूंगफली ही खाता रहे। आखिर कवि कब तक मूंगफली ही खाता रहेगा । कवि को भी हक है कि बढ़िया से रहे। महंगा शौक करें। दुःख दर्द और पीड़ा पर कविता लिखने का मतलब पीड़ित होना नहीं होता पर पता नहीं क्यों ज्यादातर कवि लोग आजकल मुंह फुलाकर बैठे रहते हैं। दुःखी दिखते हैं। दुःखी होते नहीं पर कविता में दुःख को लाने के लिए कवि लोग आजकल दुःखी होने का व्रत कर लेते हैं। महीने महीने दाढ़ी नहीं बनाते। दाढ़ी बढ़ाकर बड़े कवि होने का भ्रम भी पाल लेते हैं। एक कवि महोदय को तो प्रसिद्ध हो जाने का चस्का लग गया है। अक्सर वे किसी न किसी पुरुस्कार की चर्चा करते रहते हैं। आजकल कवि महोदय को कवि सम्मेलन की याद करते नहीं देखता। आजकल कवि महोदय बस एक ही बात करते हैं कि उन्हें कुछ नहीं तो कविता का नोबल मिल जाना चाहिए। यह भी क्या बात हुई कि जब देखो तब उपन्यास को नोबल पुरस्कार के लिए चुन लिया जाता है। जब कवि लोग आवाज नहीं उठायेंगे तो भला किसे कविता की पड़ी है। कविता को समझ पाना आसान नहीं होता। कविता को कविता कोश लेकर भी कोई समझ नहीं सकता यहां तक कि बहुत सारी कविताएं तो आज तक लिखी जाने के बाद दुबारा पढ़ी ही नहीं गई समझना तो बहुत दूर की बात है। इन सबके बावजूद कविता का दावा कमजोर नहीं होता। कविता को पुरस्कार प्रदान करने में सबसे ज्यादा प्राथमिकता देनी चाहिए। यह सबको मिलकर प्रयास करना चाहिए। पुराने और नये कवि मिलकर यदि कविता के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार पाने के लिए आवाज उठाना चाहिए। कोई न कोई तो पहल करें कोई न करें तो कम से कम वे कवि तो करें ही जो वय से और कविता की धारा में बुजुर्ग हो गये हैं उन्हें कम से कम कविता का नोबल तो मिलना ही चाहिए।

अमान हुसैन का दरबार में सारंगी वादन

भोपाल। विख्यात सारंगी नवाज पद्मश्री उस्ताद अब्दुल लतीफ खान के पडपोते और उस्ताद सरवर हुसैन के पुत्र एवं शिष्य युवा सारंगी वादक अमान हुसैन को लंदन के प्रतिष्ठित दरबार समारोह के लिए एकल सारंगी वादन का आमंत्रण मिला है। अमान 24 अक्टूबर को लंदन में अपना पहला सोलो सारंगी वादन प्रस्तुत करेंगे. अमान कोलकाता के प्रतिष्ठित संगीत रिसर्च अकैडमी में सीनियर रिसर्च स्कॉलर है और पद्म भूषण पंडित अजय चक्रवर्ती से भी गायन एवं संगति की तालीम ले रहे हैं। वह अपने परिवार की सातवीं पीढ़ी का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

किसान की जेब खाली तो कैसे मनी होगी दिवाली : मुकेश नायक

भोपाल। मप्र कांग्रेस के मीडिया प्रभारी श्री मुकेश नायक ने प्रेस ब्रीफिंग में किसानों और आम जनता की निराशाजनक दिवाली के लिए राज्य सरकार की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि इस बार भारत में दिवाली 'निराशाजनक और नीरस' रही, जिसमें केवल 20 प्रतिशत लोगों ने दिवाली मनाई, जबकि 80त्न लोग केवल इसके दर्शन कर हाथ मलते रह गए। श्री नायक ने बताया कि दीवाली मनाने की कोई ठोस वजह नहीं थी। लोग 180 प्रति लीटर की दर से सोयाबीन तेल खरीदने में असमर्थ रहे, जिसके कारण कई परिवार राजगीर के लड्डुओं के सहारे दीवाली मनाने को मजबूर हुए। उन्होंने फसल खराब होने और राहत न मिलने को इस स्थिति का प्रमुख कारण बताया। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के उस दावे पर सवाल उठाया, जिसमें उन्होंने कृषि को लाभकारी धंधा बनाने का वादा किया था। नायक ने कहा, यह वादा खोखला साबित हुआ। कृषि उपकरणों और डीजल की बढ़ती कीमतों, फसलों के उचित मूल्य न मिलने, और खाद की कालाबाजारी ने किसानों की कमर तोड़ दी है।

स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए समयबद्ध कार्रवाई करें : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं सुलभ बनाने के लिए समयबद्ध कार्रवाई आवश्यक है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि नर्स एवं नर्सिंग शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण की जाए तथा ए.एन.एम. काउंसलिंग का कार्य समय पर सुनिश्चित किया जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय भोपाल में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की वृहद समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि स्वास्थ्य संस्थाओं के उन्नयन से संबंधित कार्यवाही निर्धारित समय में पूर्ण की जाए। अधोसंरचना विकास के साथ आवश्यक पदों के प्रस्ताव भी एक साथ भेजे जाएं ताकि किसी स्तर पर विलंब न हो। उन्होंने सागर मेडिकल कॉलेज के यूजी हॉस्टल के उन्नयन की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ करने और सीएसआर फंड से रीवा मेडिकल कॉलेज में गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग प्रारंभ करने के लिए आवश्यक औपचारिकताओं की प्राथमिकता से पूर्ति करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञ चिकित्सकों की पोस्टिंग शीघ्र की जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सी.एम. केयर योजना के अंतर्गत कैंसर उपचार सेवाओं के लिए अधोसंरचना विकास एवं उपकरणों से संबंधित विस्तृत प्रस्ताव शीघ्र तैयार कर कैबिनेट अनुमोदन हेतु भेजने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि सी.एम. केयर योजना से सुपर स्पेशालिटी चिकित्सा सेवाओं का विस्तार होगा। योजना के प्रथम चरण में पूर्व से स्थापित चिकित्सा महाविद्यालय इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, रीवा एवं सागर में सुपर स्पेशालिटी सेवाएं विकसित की जाएंगी और नए विभाग स्थापित किए जाएंगे। योजना में मुख्य रूप से हृदय रोग संबंधी (कार्डियोथोरेसिक वैस्कुलर सर्जरी, एनजियोग्राफी, एनजियोप्लास्टी आदि), कैंसर रोग संबंधी (मेडिकल ऑन्कोलॉजी, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी एवं रेडिएशन ऑन्कोलॉजी) और ऑर्गन ट्रांसप्लांटेशन संबंधी चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार तीन चरणों में किया जाना प्रस्तावित है। वर्तमान में इन मेडिकल कॉलेजों में प्राथमिक हृदय रोग एवं मेडिकल ऑन्कोलॉजी सेवाएं संचालित हैं, जिनका विस्तार योजना के तहत किया जाएगा। योजना के अंतर्गत नवीन सुपर स्पेशालिटी अस्पतालों की स्थापना तथा शासकीय क्षेत्र में सुपर स्पेशालिटी कोर्स संचालित करने योग्य संस्थान बनाये जाने पर भी चर्चा की जा रही है। प्रमुख सचिव श्री संदीप यादव एवं प्रभारी आयुक्त श्री विशेष गढ़पाले, संचालक चिकित्सा शिक्षा डॉ. अरुणा कुमार सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

फर्स्ट ईयर के छात्र ने फांसी लगाई, मौत

बैतूल। कोतवाली थाना क्षेत्र के सदर इलाके में बुधवार शाम फर्स्ट ईयर के छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। मृतक छात्र का जिला अस्पताल में पीएम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। थाना प्रभारी नीरज पाल ने बताया कि सदर क्षेत्र निवासी प्रिंस माथनकर (19 वर्ष) ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, घटना के समय छात्र की मां और छोटा भाई भंडारे में गए हुए थे। घर लौटने पर उन्होंने प्रिंस को फांसी पर लटका पाया। परिजन उसे तत्काल अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

तालाब में डूबे व्यक्ति का एसडीईआरएफ टीम ने किया रेस्क्यू

बैतूल। चिचोली तहसील के ग्राम चिरापाटला में एक व्यक्ति के तालाब में डूबने की घटना सामने आने की सूचना प्राप्त होने पर एसडीईआरएफ टीम ने रेस्क्यू कर शव पुलिस को सौंपा। डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट होमगार्ड बैतूल से प्राप्त जानकारी के अनुसार 22 अक्टूबर को दोपहर 1.30 बजे डायल 112 के माध्यम से घटना की सूचना मिलते ही थाना चिचोली प्रभारी हवलदार अवधेश वर्मा के निर्देशन में एसडीईआरएफ की टीम आपदा प्रबंधन उपकरणों के साथ राहत एवं बचाव कार्य के लिए रवाना होकर लगभग 62 किलोमीटर दूर घटनास्थल पर पहुंचकर रेस्क्यू अभियान शुरू किया। लगातार प्रयासों के बाद टीम ने दोपहर 3:31 बजे डूबे व्यक्ति के शव को पानी से बाहर निकालकर पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

राशि जमा कराने के बाद ही किसानों को मिलेगा पानी

सिंचाई का किसानों पर 1.13 करोड़ बकाया

बैतूल। जल संसाधन विभाग द्वारा प्रतिवर्ष रबी फसल की सिंचाई के लिए जलाशय से पानी दिया जाता है। इसके एवज में विभाग किसानों से जल शुल्क वसूल करता है। इस जल शुल्क की बकाया राशि वसूलने के लिए विभाग ने कार्रवाही तेज कर दी है। विभाग के मुताबिक किसानों पर सिंचाई जल शुल्क का एक करोड़ रुपए से अधिक बकाया है। जिसमें से विभाग महज 14 लाख रुपए ही वसूल कर सका है। दरअसल जल संसाधन विभाग द्वारा राशि वसूलने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अभी भी कई किसान राशि देने में आनाकानी कर रहे है। जल संसाधन विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक जिले के अंतर्गत जल संसाधन विभाग के बैतूल एवं मुलताई डिवीजन हैं। बैतूल डिवीजन के अंतर्गत 6 उपसंभाग बैतूल, भैंसदेही, भीमपुर, चिचोली, घोड़ाडोंगरी एवं शाहपुर तथा मुलताई संभाग के अंतर्गत 4 उपसंभाग मुलताई, आमला, आठनेर एवं प्रभात पट्टन है। जिनके अंतर्गत निर्मित 7 मध्यम परियोजनाएं एवं 187 लघु योजनाएं हैं। इस प्रकार कुल 194 सिंचाई योजनाएं क्रियान्वित हैं। आगामी रबी सीजन 2025 के लिए बैतूल-मुलताई डिविजन में 1 लाख हेक्टेयर सिंचाई लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसमें 74,115 हेक्टेयर क्षेत्र नहरों से और 25,885 हेक्टेयर क्षेत्र माइक्रो एरिगेशन प्रणाली से सिंचित किया जाएगा। वर्घा जलाशय से 5,700 हेक्टेयर और पारसडोह जलाशय से 19,785 हेक्टेयर में माइक्रो एरिगेशन प्रणाली के माध्यम से सिंचाई की जाएगी। वहीं, घोघरी जलाशय से पहली बार 7,000 हेक्टेयर में सिंचाई का परीक्षण किया जाएगा।

किसानों पर एक करोड़ से अधिक की राशि बकाया: किसानों पर रबी सीजन में सिंचाई के जलशुल्क का 113.491 लाख रुपए बकाया है। जिसकी वसूली के लिए विभाग हर साल अभियान चलाता है, लेकिन अभी तक सिर्फ 14.940 लाख रुपए ही वसूल कर सका है। जबकि हर साल रबी सीजन में पानी दिए जाने के कारण किसानों पर बकाया राशि बढ़ती जा रही है। विभाग का कहना था कि जल शुल्क का पैसा नहीं दिए जाने पर सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध नहीं कराया जाएगा। शासन द्वारा नहरों के मेंटेनेंस के लिए दिया जाने वाला बजट भी काफी कम होता है। जिसके कारण विभाग के लिए मुश्किलें खड़ी हो गई है।

125 रूपये प्रति हेक्टैयर के दिया जाता है पानी: जल संसाधन विभाग द्वारा सीजन के हिसाब से सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराया जाता है। जमीन तैयार करने के लिए खरीफ और रबी सीजन में 125 रुपए प्रति हेक्टेयर के हिसाब से पानी दिया जाता है। गेहूं में पलेवा के लिए 125 रुपए हेक्टेयर और प्रत्येक बार अतिरिक्त पानी लेने पर 75 रुपए प्रति हेक्टेयर पानी दिया जाता है। चने में प्रत्येक बार पानी के लिए 75 रुपए प्रति हेक्टेयर, धान के लिए 155 रुपए प्रति हेक्टेयर, मूंगफल्ली, ज्वार, मूंग, सोयाबीन, तिल, उड़द, तुअर के लिए 50 रुपए हेक्टेयर, कपास के लिए प्रत्येक पानी 70 रुपए हेक्टेयर के हिसाब से पानी दिया जाता है।

किसानों पर 1.13 करोड़ रूपये जल शुल्क बकाया-जिले के ब्लाकों में किसानों पर कुल 1 करोड़ 13 लाख 491 लाख रूपये बकाया है। विभाग को बैतूल ब्लाक में 38.939 लाख वसूलना था, जिसमें से विभाग मात्र 7.418 लाख ही वसूल पाया है। इसी तरह शाहपुर 13.334 लाख में से 1.250 लाख, घोड़ाडोंगरी 23.164 लाख में से 4.915 लाख, चिचोली 5.836 लाख में से 0.138 लाख, भीमपुर 6.939 लाख में से 0.372 लाख, भैंसदेही 25.279 लाख में से 0.847 लाख कुल 1 करोड़ 13 लाख 491 रूपये में से विभाग 14 लाख 940 रूपये वसूल कर पाया है। शेष राशि किसानों से वसूलना शेष है।

इनका कहना है -

पिछले साल रबी सीजन में सिंचाई के लिए जो पानी दिया गया था, उसकी वसूली के लिए किसानों से संपर्क किया जा रहा हैं। वसूली नहीं होने के कारण किसानों पर सिंचाई का करीब एक करोड़ से अधिक बकाया है। एसडीओ और कर्मचारी वसूली के लिए लगातार किसानों से संपर्क कर रहे हैं।

-रोशन कुमार, ईई, जल संसाधन विभाग, बैतूल

भाई दूज पर ताप्ती नदी में उमड़ी भीड़

भाई-बहनों ने लगाई डुबकी, यमदेव से मांगा आशीर्वाद

बैतूल। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भाई दूज का पर्व श्रद्धा और परंपरा के साथ मनाया गया। दीपावली के बाद आने वाला यह पर्व भाई-बहन के स्नेह, समर्पण और सुरक्षा के पवित्र रिश्ते को समर्पित है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, इस दिन यमराज अपनी बहन के घर गए थे। बहन ने उनका स्वागत कर तिलक लगाया और आरती उतारी। प्रसन्न होकर यमराज ने वचन दिया कि जो भाई इस दिन अपनी बहन के हाथों तिलक लगवाकर स्नान करेगा, उसे यमलोक का भय नहीं रहेगा और वह मोक्ष का अधिकारी बनेगा। इसी मान्यता के चलते खेड़ीसावलीगढ़ में सुबह से ही ताप्ती नदी के घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। भाई-बहनों ने साथ मिलकर ताप्ती नदी में पवित्र डुबकियां लगाईं और यमदेव से सुख, शांति तथा समृद्धि का आशीर्वाद मांगा। स्थानीय मान्यता है कि जो भाई-बहन इस दिन ताप्ती नदी में स्नान करते हैं, उन पर यमदेव की विशेष कृपा बनी रहती है। ऐसा माना जाता है कि ताप्ती में स्नान करने वाले व्यक्ति को यमलोक के मार्ग में कोई कष्ट नहीं होता और उसे दिव्य लोक की प्राप्ति होती है।

ताप्ती खेड़ी घाट पर सैकड़ों श्रद्धालुओं ने स्नान कर पूजा-अर्चना की। घाट परिसर में धार्मिक माहौल बना रहा। श्रद्धालुओं ने दीप जलाकर ताप्ती माता और यमदेव से मंगलकामनाएं कीं। भाई दूज के इस पावन अवसर पर ताप्ती नदी में किया गया यह पुण्य स्नान अनंत काल तक पुण्य फल प्रदान करने वाला माना जाता है।

श्री लक्ष्मी गौशाला में मनाया गया गोवर्धन पर्व

धार। धार जिले की सबसे पुरानी श्री लक्ष्मी गौशाला में धार विधायक नीना विक्रम वर्मा की उपस्थिति गोवर्धन पूजा पर्व मनाया गया । इस अवसर पर सर्वप्रथम गौ माता की पूजा कर गौ माता को गुड़ रोटी एवं धानी का प्रसाद खिलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया । भगवान गोवर्धन का पूजन अभिषेक विधायक नीना वर्मा के साथ ही सभी गणमान्य नागरिकों एवं बहनों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में गौशाला में सेवा दे रहे गौ सेवक विलास खलत्कर अमर सिंह कालू बबलू मनोहर आदि का पत्नी सहित विधायक द्वारा अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ अभिषेक चौधरी सीएसपी जग्गा सहित समिति के संरक्षक नरेश गंगवाल बसंतीलाल जैन राजेंद्र शर्मा देवेंद्र सोनोने अध्यक्ष नरेश राजपुरोहित सचिव राजेश हरोड़ उपाध्यक्ष देवचंद बोडिया मोहन पाटीदार नंदराम टॉक रामकिशोर पांडे कोषाध्यक्ष मन्नालाल राठौर राकेश राजपुरोहित के साथ ही शहर के गणमान्य नागरिक जन उपस्थित रहे।

चातुर्मास कलश निष्ठापन कार्यक्रम सम्पन्न

धार। दिगंबर जैन समाज धार को आशीर्वाद प्रदान करने विराजित उपाध्याय श्री 108 विभंजन सागर जी मुनिराज ससंघ के चातुर्मास के लिए स्थापित किए गये सवा करोड़ मंत्रो से मंत्रित कलशों का निष्ठापन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ ।

मोही फीडर के आधा दर्जन ग्रामों में दो दिन से पसरा अंधेरा, 21 अक्टूबर से गुल है बिजली

बैतूल/मुलताई। मुलताई क्षेत्र के मोही फीडर से जुड़े आधा दर्जन ग्रामों में पिछले दो दिनों से अंधेरा पसरा हुआ है, जिसके कारण ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि 21 अक्टूबर को शाम 4 बजे से क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति बंद है। इसके बाद से ग्रामीण लगातार बिजली आने का इंतजार कर रहे हैं। नामदेव पटाया (सरपंच उभारिया), गोविंद कौड़े (कुंडई), पवन नरवरे (बोथिया) और सुखदेव सोलंकी (उभारिया) ने बताया कि मोही फीडर से जुड़े ग्राम बोथिया, सोमलपुर, उभारिया, जूनापानी एवं अन्य आदिवासी क्षेत्र हैं, जहाँ दीपावली पर्व के बाद गोवर्धन पूजा विशेष रूप से मनाई जाती है। दीपावली के बाद प्रत्येक ग्राम में अलग-अलग दिन गोवर्धन पूजा का आयोजन होता है, लेकिन इस बार ग्रामीणों को यह पर्व अंधेरे में मनाना पड़ा। बिजली बंद रहने के कारण ग्रामीण न तो अपने मोबाइल फोन चार्ज कर पा रहे हैं और न ही घरेलू इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग कर पा रहे हैं। यहां तक कि बिजली न होने से आटा चक्कियाँ भी बंद हैं, जिससे ग्रामीण गेहूं तक नहीं पीस पा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यह पहली बार नहीं हुआ है। बीते आठ महीनों से ग्रामीण बिजली की आंख-मिचौली झेल रहे हैं। सप्ताह में दो से तीन दिन विद्युत आपूर्ति बाधित रहती है। ग्रामीणों का कहना है कि वे लंबे समय से अपनी समस्या से विद्युत विभाग के अधिकारियों को अवगत करा रहे हैं, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकला। लाइन बंद होने पर अधिकारियों को फोन करने पर भी कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिलता। इन क्षेत्रों की लगातार बढ़ती बिजली समस्या को देखते हुए विभाग को इसका स्थायी समाधान शीघ्र निकालने की आवश्यकता है।

इनका कहना है -

हर बार ऐसा नहीं होता, अभी ही यह समस्या आ रही है। मैं अभी साइट पर ही हूं। शीघ्र ही फाल्ट सुधार कर विद्युत लाइन प्रारंभ कर दी जाएगी।

-राकेश पवार, इंजीनियर, मप्र विद्युत वितरण कंपनी जौलखेड़ा मुलताई

जिला समन्वय समिति की बैठक में हर बूथ तक कांग्रेस को पहुंचाने का लिया संकल्प

सेक्टर और बूथ प्रभारी भी होंगे नियुक्त : निलय डागा

बैतूल। जिला कांग्रेस की समन्वय समिति की महत्वपूर्ण बैठक गुरुवार 23 अक्टूबर को गंज कांग्रेस कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में राजनीतिक रणनीति का बड़ा खाका तैयार किया गया। नव नियुक्त जिला प्रभारी और जुन्नारदेव विधायक सुनील उइके ने कहा कि हर बूथ पर कांग्रेस को मजबूत करना मेरी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि संगठन को बूथ स्तर से पुनर्जीवित कर कांग्रेस को जनता से जोडना ही 2028 की जीत का आधार बनेगा। उन्होंने कहा कि हमने बूथ सशक्तिकरण अभियान से शानदार परिणाम देखे हैं। बैतूल कांग्रेस भी उसी मॉडल पर आगे बढ़ेगी। बैठक में जिला कांग्रेस अध्यक्ष निलय डागा, वरिष्ठ नेता, पूर्व मंत्री, ब्लॉक अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, सेक्टर प्रभारी और सेक्टर अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दूसरे सत्र में विस्तृत चर्चा के दौरान कांग्रेस की संगठनात्मक संरचना को बूथ से लेकर सेक्टर स्तर तक सशक्त बनाने पर सहमति बनी। बैठक में स्वागत उद्बोधन के साथ ही कांग्रेस जिला अध्यक्ष निलय डागा ने कहा कि कांग्रेस को मजबूत करने में जिला प्रभारी की भूमिका सबसे अहम होती है। उन्होंने बताया कि अभी हमने मंडलम और बूथ प्रभारी नियुक्त कर दिए हैं, अब जल्द ही सेक्टर प्रभारी और बूथ प्रभारी की भी घोषणा की जाएगी, ताकि हर स्तर पर संगठन सक्रिय रहे।

जनता की आवाज़ बनना ही विपक्ष की असली भूमिका-बैठक के विशेष सत्र में पूर्व कैबिनेट मंत्री सुखदेव पांसे ने कहा कि विपक्ष की असली भूमिका जनता की आवाज़ बनना है। आज जब सत्ताधारी दल जनता से कट रहा है, तब कांग्रेस को गाँव-गाँव में जाकर संवाद स्थापित करना होगा। जनता आज भी भरोसा कांग्रेस पर ही करती है, बस हमें उस भरोसे को फिर से जगाना है।।कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेताओं, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं की उपस्थिति ने इस बैठक को ऐतिहासिक बना दिया। बैठक में कांग्रेस संगठन के आगामी राष्ट्रव्यापी हस्ताक्षर अभियान और बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) गठन पर विस्तार से चर्चा हुई। जिला प्रभारी सुनील उइके ने कहा कि यह अभियान कांग्रेस के जनसंपर्क को नई दिशा देगा। उन्होंने बताया कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में घर-घर जाकर लोगों से हस्ताक्षर कराए जाएंगे, जिससे जनता की आवाज़ दिल्ली तक पहुंचे। साथ ही हर मतदान केंद्र पर बीएलए की नियुक्ति कर कांग्रेस के बूथ प्रबंधन को सुदृढ़ किया जाएगा। इस अभियान के माध्यम से कांग्रेस कार्यकर्ता संगठन को मज़बूत करने के साथ ही जनता के मुद्दों को भी प्रत्यक्ष रूप से जोडने का कार्य करेंगे। बैठक में संगठन उपाध्यक्ष सुखदेव पांसे, बैतूल प्रभारी गोविंद शर्मा, घोडाडोंगरी प्रभारी हर्षवर्धन बघेल, मुलताई प्रभारी आनंद राजपूत, आमला प्रभारी राजीक अली, भैंसदेही प्रभारी गोविंद व्यास, पूर्व विधायक पी.आर. बोडखे, ब्रम्हा भलावी, अन्य कांग्रेसी नेता मौजूद रहे।

भव्य और दिव्य स्वरूप में हुई गोवर्धन पूजा से मानों दमक उठी प्रकृति वात्सल्य गौशाला

गौशाला में ईश्वर का वास है, गौसेवा ईश्वर की सच्ची सेवा है : जिपं सीईओ अभिषेक चौधरी

धार से राजेश शर्मा

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आह्वान पर प्रकृति वात्सल्य गौशाला धार भव्य और दिव्य स्वरूप में गोवर्धन पूजन की साक्षी बनी । विधि-विधान और मंत्रोच्चार की गूंज से भव्य और दिव्य स्वरूप में हुई गोवर्धन पूजा से मानों दमक उठी थी प्रकृति वात्सल्य गौशाला और चहचहा उठी हो गौमाता।

प्रकृति वात्सल्य गौशाला जिले में एक मात्र ऐसी गौ शाला है जहां बीमार गायों और मूक प्राणियों की सेवा की जाती है। अल्प समय में प्रकृति वात्सल्य गौशाला धार जिले में ही नहीं बल्कि प्रदेश में अपनी पहचान बना रही हैं। गोवर्धन पूजन कार्यक्रम मैं बतौर अतिथि जिला पंचायत सीईओ , अभिषेक चौधरी (आईएएस) , सीएसपी सजावल जग्गा (आईपीएस), समाजसेवी समंदर सिंह पटेल, एसडीएम राहुल गुप्ता, धार जिला पत्रकार संघ अध्यक्ष पंडित छोटू शास्त्री, धार जिला ड्रिग्रिस्ट एंड केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष डाक्टर अशोक शास्त्री , आर आई पुरूषोतम बिश्नोई, धार थाना प्रभारी समीर पाटीदार , संस्था अध्यक्ष धर्मेन्द्र जोशी, सचिव विजया शर्मा , संस्थापक अध्यक्ष प्रमिला शर्मा, डीडी वेटनरी प्रतिनिधि डाक्टर पवार, श्रीकांत द्विवेदी सहित गणमान्य नागरिक गोवर्धन पूजा में शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिपं सीईओ अभिषेक चौधरी ने कहा कि गौशाला मैं ईश्वर का वास है, गौसेवा ईश्वर की सच्ची सेवा है। गौशाला भारतीय संस्कृति का प्रतिबिंब है। गौशाला को जो भी मदद की जरूरत होगी उसे पूरा करने का प्रयास करेंगे। सीएसपी सजावल जग्गा (आईपीएस) ने गौशाला मैं नवीन गोवर्धन शेड को देख कर कहा कि यह गौशाला जल्द ही प्रदेश की अच्छी गौशाला बनेगी। मैं सौभाग्यशाली मानता हूं कि गोवर्धन पूजा का पुनीत अवसर मुझे मिला। धार जिला पत्रकार संघ अध्यक्ष पंडित छोटू शास्त्री ने कहा कि गोवर्धन पूजा इंद्र के अभिमान को चुर करने का उत्सव है। भगवान श्रीकृष्ण ने कहा भी है कि गोवर्धन पूजन मेरी पूजा से श्रेष्ठ है। हमारी जीवन शैली उसी प्रकार होना चाहिए जिस प्रकार बृजवासियों की भगवान श्रीकृष्ण के प्रति रही है।धार जिला ड्रिग्रिस्ट एंड केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष डाक्टर अशोक शास्त्री ने कहा कि आज बहुत ही पावन दिन है। गौशाला मैं गोवर्धन पूजन में भाग लेकर अपने को बेहद भाग्यशाली मानता हूं। गौशाला के लिए हरसंभव मदद का प्रयास करेंगे।संस्था अध्यक्ष धर्मेन्द्र जोशी ने कहा कि भगवान कृष्ण ने गोकुल में गायों की रक्षा गोवर्धन पर्वत उठा कर की थी उसी तरह आज समिति ने गोशाला में भव्य गोवर्धन शेड का निर्माण कर गो माता को आज के दिन समर्पित किया। उन्होंने सभी अतिथियों से निवेदन किया कि आप गौ रक्षा का संकल्प ले और गौशाला के प्रति समर्पित रहे।समाजसेवी समंदर सिंह पटेल ने कहा गो शाला के लिए और गौ माता के लिए में सदैव तन मन धन से समर्पित रहुंगा। धार के समाजसेवी बंशीधर वल्लभदास जी अग्रवाल ने गो शाला के सेवा कार्यों के लिए एक लाख ग्यारह सौ रुपए दान देने की घोषणा की। गौशाला के लिए समर्पित भाव से सेवा देने पर संस्थापक अध्यक्ष प्रमिला शर्मा और अन्य महिला कर्मचारियों को भी अतिथियों ने सम्मानित किया।

इस अवसर पर संस्था के एडवोकेट पद्युमन पाठक, विजय अग्रवाल, एडवोकेट प्रवीण शर्मा, संतोष पुरोहित, रमेश भाई, हरि ट्रेड्स ,लालू यादव, पंडित प्रतीक पांड्या नारायण जोशी, भगवती जोशी, दीपक जोशी ,मिलन पाल प्रफुल्ल जैन, निलेश जोशी, प्रशांत रावल, जितेंद्र पांड्या अभिषेक चतुर्वेदी ,रीमा राठौर, कमल बोरीवाल, पुण्यपाल जैन ,जगदीश काकरवाल ,विश्वास शर्मा , जसप्रीत सिंह काकू बड़ी संख्या में गो भक्त उपस्थित रहे। संचालन वरिष्ठ पत्रकार राजेश शर्मा जी ने किया व आभार सचिव विजया शर्मा ने माना।

श्री सांवरिया सेठ मंदिर, धार में 25 अक्टूबर से नवम महापुराण (भविष्य महापुराण) का शुभारंभ

प्रसिद्ध भागवताचार्य पं. रमाकांत जी व्यास करेंगे कथा का वाचन

धार। त्रिमूर्ति नगर स्थित श्री सांवरिया सेठ मंदिर, धार पर 18 महापुराण समिति के तत्वावधान में नवम महापुराण का आयोजन 25 अक्टूबर से होने जा रहा है। इस वर्ष भविष्य महापुराण का वाचन प्रसिद्ध भागवताचार्य पंडित रमाकांत जी व्यास (झकलाय वाले) द्वारा किया जाएगा।

श्री सांवरिया सेठ मंदिर पर वर्ष 2022 से 18 महापुराण समिति के संकल्प के तहत कॉलोनी वासियों द्वारा भगवान श्री सांवरिया सेठ को 18 महापुराण समर्पित करने तथा अपने पितरों के उद्धार एवं उनकी चिरस्थायी स्मृति हेतु यह आयोजन किया जा रहा है। समिति के प्रमुख अशोक मनोहर जोशी ने बताया कि पंडित रमाकांत व्यास जी के नेतृत्व में अब तक आठ महापुराणों का सफल आयोजन हो चुका है।

कार्यक्रम का शुभारंभ- 25 अक्टूबर को प्रातः 9 बजे श्री सांवरिया सेठ मंदिर प्रांगण से भव्य कलश यात्रा त्रिमूर्ति नगर धार में निकाली जाएगी।कथा का समयः दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक प्रतिदिन रहेगा। पितृ तर्पण एवं पूजनः कथा के दौरान प्रतिदिन विद्वान पंडितों के द्वारा पितृगण की आत्मिक शांति के लिए तर्पण का कार्यक्रम एवं पितृ जनों का पूजन प्रातः 8 से 9 बजे होगा, जिसमें समिति के सदस्य परिवार सहित उपस्थित रहेंगे।18 महापुराण समिति में कुल 44 सदस्य हैं, जो मिलकर वर्ष में दो बार महापुराण का आयोजन करवाते चले आ रहे हैं।

समिति के अध्यक्ष स्वयं प्रकाश सोनी ने आगामी 25 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक चलने वाली इस कथा एवं प्रातः निकलने वाली शोभायात्रा में सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से परिवार इष्ट मित्रों सहितसहित अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होने का आग्रह किया है। जानकारी समिति के सदस्य पंडित संतोष पांडेय एवं मीडिया प्रभारी डॉ. अशोक शास्त्री द्वारा दी गई।

किसानों को सरलता, सुगमता और पारदर्शिता के साथ मिले खाद एवं बीज : केंद्रीय कृषि मंत्री

■ खाद-बीज उपलब्धता के बारे में किसानों को दी जाए नियमित जानकारी : केंद्रीय कृषि मंत्री

■ खाद-बीज की कालाबाजारी करने वालों के विरूद्ध की जाए कड़ी कार्रवाई - केंद्रीय कृषि मंत्री

■ फसल बीमा से वंचित न रहे कोई किसान : केंद्रीय कृषि मंत्री

■ केंद्रीय कृषि मंत्री ने की खाद-बीज वितरण एवं फसल बीमा की समीक्षा

सीहोर (निप्र)। केन्द्रीय कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सीहोर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक आयोजित कर खाद-बीज वितरण व्यवस्था को और अधिक सुगम, सुविधाजनक और पारदर्शी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा हर वर्ष खाद पर सब्सिडी प्रदान की जाती है, ताकि किसानो को सस्ती दर पर खाद मिल सके। उन्होंने कहा कि खाद वितरण की व्यवस्था इस प्रकार हो कि खाद लेने के लिए किसान को न तो लाइन में लगना पड़े और न ही परेशान होना पड़े। उन्होंने कहा कि कई बार किसान खाद प्राप्ति और वितरण की ऑनलाइन प्रक्रिया से भलीभांति अवगत नहीं हो पाते, इस कारण उन्हें खाद प्राप्ति में समस्याएं आती है, इसलिए उन्हें खाद वितरण की ऑनलाइन प्रक्रिया से अवगत कराया जाए। केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने जिले में अब तक की खाद आपूर्ति और वितरण के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि यदि खाद की आवश्यकता है तो राज्य सरकार के माध्यम से मांग केंद्र को भेजी जाए। इसके साथ ही मीडिया के माध्यम से किसानों को प्रतिदिन की खाद की उपलब्धता की जानकारी दी जाए। ताकि किसानों में भ्रम की स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि खाद आने के पश्चात ऑनलाइन व्यवस्था के माध्यम से प्राप्त होने वाली जानकारी जिले के संबंधित विभागों को त्वरित रूप से प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि नकली दवा व खाद का विक्रय जिले में ना हो इसके लिए सतत निरीक्षण किया जाए और सैंपल संकलित किए जाए। इसके साथ ही नकली खाद बेचने वालों, अवैध भंडारण एवं परिवहन करने वालों, कालाबाजारी करने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि किसानो को नैनो यूरिया लेने के लिए प्रेरित किया जाए। इसके साथ ही किसानों को चना और मसूर की बुवाई के लिए प्रेरित किया जाए ताकि जिले में चना और मसूर का रकबा बढ़ाया जा सके। बैठक में केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लाभ से कोई किसान वंचित न रहें। सभी किसानों का बीमा हो, इस ओर विशेष ध्यान दिया जाए। बीमा कंपनी के ऑनलाइन सर्वे के साथ-साथ नुकसान का आंकलन क्रॉप कटिंग के माध्यम से किया जाए। बैठक में राजस्व मंत्री श्री करणसिंह वर्मा ने ध्यान आकृष्ट किया कि पीएम फसल बीमा की लिस्ट में इछावर जनपद के किसानों का नाम नहीं है। इस संबंध में केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने संबंधित अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन किसानों की फसलों को नुकसान होता है और यदि वे 72 घंटे के भीतर इसकी सूचना नहीं दे पाते हैं, तो ऐसे किसानों को भी फसल बीमा का लाभ दिलाने की कार्यवाही की जाए। इसी प्रकार भैरूंदा जनपद के ग्राम झकलाय में कुछ किसानों की सोयाबीन की फसल बीमा सर्वे से छूट जाने की जानकारी मिलने पर उन्होंने भैरूंदा एसडीएम को कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने बैठक की शुरुआत में पीपीटी के माध्यम से जिले में खाद-बीज वितरण, फसल बीमा एवं राहत राशि वितरण के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में कलेक्टर श्री बालगुरू के. द्वारा डिजीटल क्राप सर्वेक्षण, पीएम फसल बीमा योजना अंतर्गत सोयाबीन फसल कटाई का प्रयोग, विगत वर्षों में सोयाबीन की आवक, सीहोर जिले के अंतर्गत कृषि उपज मंडियों में अब तक सोयाबीन व मॉडल भाव, सोयाबीन भावांतर भुगतान, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्राप्त शिकायतें, रबी फसल की प्रस्तावित बोनी, जिले में फसलवार बीजो की उपलब्धता, गुण नियंत्रण की प्रगति, उर्वरक भंडारण की प्रगति, साप्ताहिक उर्वरक रैक प्लान, पिछले वर्षो की तुलना में अब तक प्राप्त विभिन्न प्रकार के उर्वरक, ई-उर्वरक वितरण व्यवस्था, जिले में वितरण संघ भण्डारण केन्द्रो के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

इन्होंने दिए सुझाव : बैठक में बुधनी विधायक श्री रमाकांत भार्गव, सीहोर विधायक श्री सुदेश राय, आष्टा विधायक श्री गोपाल सिंह इंजिनियर तथा खातेगांव विधायक श्री आशीष शर्मा ने खाद-बीज वितरण एवं फसल क्षति के संबंध में ध्यान आकृष्ट कराते हुए सुझाव भी दिए।

बीज और उर्वरक व्यवस्था के संबंध में निर्देश : बैठक में जानकारी दी गई कि रबी सीजन के लिए जिले में बीज की कुल मांग 1,28,298 क्विंटल है, जिसमें से लगभग 1,15,638 क्विंटल बीज उपलब्ध कराए जा चुके हैं तथा 41,078 क्विंटल बीज वितरित किए जा चुके हैं। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान अधिकारियों को निर्देश दिए कि बीज वितरण में पारदर्शिता रखी जाए और किसी भी किसान को बीज के लिए परेशान न होना पड़े। उर्वरक व्यवस्था की समीक्षा के दौरान जानकारी दी गई कि जिले में रबी वर्ष 2025-26 के लिए 1,63,100 मीट्रिक टन उर्वरक की मांग की गई है। इसमें 64,133 मीट्रिक टन की आपूर्ति हो चुकी है।

सांसद खेल महोत्सव की तैयारियों की समीक्षा

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने सांसद खेल महोत्सव की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने सांसद खेल महोत्सव के तहत आयोजित किए जाने वाले खेलों की जानकारी ली और सभी जनपद सीईओ, सीएमओ और संबंधित अधिकारियों को कैलेंडर अनुसार सभी खेल गतिविधियां आयोजित कराने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने जानकारी दी कि विदिशा संसदीय क्षेत्र के बुधनी एवं इछावर विधानसभा के अंतर्गत 01 नवंबर से सांसद खेल महोत्सव प्रारंभ होगा। इसके लिए पूरी तैयारियां कर ली गई हैं। मंत्री श्री चौहान ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव के तहत आयोजित होने वाली खेल गतिविधियों में अधिक से अधिक खिलाड़ी एवं नागरिक शामिल हों, यह सुनिश्चित किया जाए।

संक्षिप्त समाचार

01 से 06 नवंबर तक आयोजित होगा जिला स्तरीय युवा उत्सव

■ युवा माय भारत पोर्टल पर जाकर कर सकते हैं पंजीयन

सीहोर (निप्र)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के निर्देशानुसार 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय युवा दिवस तथा पूर्ण सप्ताह राष्ट्रीय युवा सप्ताह के रूप में मनाया जाएगा। जिसके अंतर्गत जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन 01 से 06 नवम्बर 2025 के मध्य सीहोर के चर्च ग्राउंड पर किया जाएगा। इसके तहत आयोजित गतिविधियों में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवा 07 विधाओं जैसे भाषण, कहानी लेखन, कविता लेखन, पेंटिंग, समूह लोकगीत, समूह लोकनृत्य एवं विज्ञान मेला प्रदर्शनी में भाग ले सकते हैं। प्रतिभागी माय भारत पोर्टल पर पंजीयन कर जिला स्तरीय युवा उत्सव में शामिल हो सकते हैं। सभी प्रतिभागियों का माय भारत पोर्टल पर पंजीयन करना अनिवार्य है। पंजीयन उपरांत फार्म की प्रति खेल विभाग के कार्यालय में जमा कराना अनिवार्य है। अधिक जानकारी के लिए खेल और युवा कल्याण विभाग कार्यालय चर्च ग्राउंड सीहोर पर जाकर अथवा मोबाईल नंबर 9111600215 पर संपर्क किया जा सकता है।

गौ माता में होता है दिव्यता का वास, उनके समीप अलौकिक शांति की अनुभूति होती है : कलेक्टर

■ कलेक्टर ने सुरभि गौशाला पहुंचकर किया गौ पूजन, गौ माता को विशेष गौ ग्रास भी खिलाया

नर्मदापुरम (निप्र)। गौ माता में अलौकिक दिव्यता बसती है। जिससे उनके समीप होने पर अनुपम शांति की अनुभूति होती है। यह बात कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने मंगलवार को गोवर्धन पूजन के अवसर पर सुरभि गौशाला में गौ पूजन के दौरान कही। कलेक्टर ने गौशाला पहुंचकर गौ माता को चुनरी ओढ़ा कर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ वात्सल्य के साथ सहलाते हुए उनका विधिवत पूजन कर उन्हें विशेष गौग्रास जिसमें खिचड़ी, गुड-चापड़, सुदाना, फल आदि का सेवन करवाया। इस दौरान सिटी मजिस्ट्रेट श्री बृजेंद्र रावत, पशुपालन विभाग से डॉक्टर शैलेंद्र नेमा, सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कलेक्टर सुश्री मीना ने गोवर्धन पर्व के अवसर पर गौशाला में श्रद्धा और भक्ति के साथ गौ पूजन संपन्न करने के उपरांत गौशाला का भ्रमण कर बछड़े को स्नेहपूर्वक दुलार भी किया। इस दौरान कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि वह समय निकालकर अवश्य उनके निवास पर स्थित गौशाला में पहुंचकर गौ माता के साथ समय व्यतीत करती हैं। कलेक्टर ने कहा की गौ माता एकमात्र ऐसा पशु है जो कि प्रत्येक दृष्टिकोण से लाभकारी है। इस अवसर पर गौशाला के संचालक पंडित सोमनाथ शर्मा ने बताया कि गौशाला की स्थापना वर्ष 2023 में की गई थी। यहां पाली गई प्रथम गौमाता का नाम 'सुरभि' रखा गया था, जिसके नाम पर ही गौशाला का नामकरण किया गया। कलेक्टर ने कहा कि गौ सेवा के लिए प्रारंभ की गई यह पहला उल्लेखनीय एवं अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि पशुपालन विभाग के साथ-साथ नगर पालिका एवं जन सहयोग के माध्यम से निश्चित रूप से गौशाला के विकास के लिए हर संभव प्रयास किया जायेगा।

विधायक श्रीमती उईके ने गौशाला में की गोवर्धन भगवान की पूजा

बैतूल (निप्र)। मध्यप्रदेश में इस वर्ष गोवर्धन पूजा का पर्व पूरे उत्साह और भव्यता के साथ मनाया जा रहा है। राज्य के विभिन्न जिलों में गौशालाओं, मंदिरों और सार्वजनिक स्थलों पर विशेष पूजा-अर्चना एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर प्रदेश के सभी मंत्री, विधायक और जनप्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्रों की गौशालाओं में पहुंचकर गोवर्धन पूजा में शामिल हुएं। इसी क्रम में घोड़ाडोंगरी विधायक श्रीमती गंगा सज्जन सिंह उईके ने ग्राम पंचायत कुण्डी के ग्राम बांकाखोदरी की गौशाला में गोवर्धन भगवान की पूजा अर्चना की। इस दौरान पंडित श्री नर्मदा प्रसाद जोशी द्वारा मंत्रोच्चार किया और सामुहिक आरती की। तत्पश्चात विधायक श्रीमती उईके ने गायों की सेवा की, उन्हें चारा खिलाया और आरती उतारी। इस दौरान भगवान श्रीकृष्ण द्वारा इंद्र के अहंकार को दूर करने की कथा सुनाई और गौसंवर्धन का संदेश दिया।

राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने ग्राम रंढाल गौशाला में गोवर्धन पूजा एवं गौ पूजन किया

नर्मदापुरम (निप्र)। दीपावली के पावन अवसर के उपरांत ग्राम रंढाल स्थित गौशाला परिसर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया उपस्थित रहीं। उन्होंने विधि-विधान से गोवर्धन महाराज और गौ माता का पूजन कर क्षेत्रवासियों को गोवर्धन पर्व की शुभकामनाएं दीं। गोवर्धन पूजा एवं गौ पूजन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और गौ माता की पूजा अर्चना कर भगवान गोवर्धन का पूजन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम में परंपरा अनुसार गोवर्धन महाराज की विधिवत पूजा की गई एवं गोधन – अर्थात गौ माता – का पूजन कर भारतीय संस्कृति एवं सनातन परंपरा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रगति ग्राम संगठन महिला शक्ति संकुल स्वसहायता समूह की बहनों द्वारा निर्मित जैविक खाद भेंट की गई, जिससे गौशाला एवं ग्रामीण कृषि में प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की दिशा में प्रेरणा प्राप्त हुई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्रकृति व पशुधन संरक्षण को लेकर जन-जागृति अभियान चलाया जा रहा है। सरकार संकल्पबद्ध है कि ग्रामीण स्तर पर भी जैविक खेती, गौ संरक्षण एवं पारंपरिक पर्वों को नए आयाम मिले। उल्लेखनीय है कि गोवर्धन पूजा को अन्नकूट महोत्सव के रूप में भी जाना जाता है।

यह पर्व भारतीय लोक जीवन में प्रकृति, पशुधन और मानव के आपसी संबंधों का जीवंत प्रतीक माना जाता है। इस अवसर पर ग्राम पंचायत रंढाल के सरपंच खुशीलाल आठनेरे, उपसरपंच राजेंद्र सिंह राजपूत, वरिष्ठ नेता किशन यादव, संजीव मालवीय, प्रभारी उपसंचालक पशु चिकित्सा डॉ. शैलेंद्र नेमा, रामेश्वर मीना, कलम किशोर फौजदार, दिनेश मीना, कृपाराम फौजदार, डॉ. राजेंद्र शर्मा एवं महिला स्वसहायता समूह से श्रीमती दमयंती वर्मा, श्रीमती गायत्री केवट, श्रीमती शोभा आठनेरे, श्रीमती गंगा बाई सहित अनेक ग्रामीण जन एवं गौशाला समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

कामधेनु गौ-शाला में जिला स्तरीय गोवर्धन पूजन कार्यक्रम संपन्न

हरदा (निप्र)। मंगलवार को जिला स्तरीय गोवर्धन पूजा कार्यक्रम कामधेनु गौ-शाला मगरधा में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विधायक डॉ.आर.के. दोगने, पूर्व कृषि मंत्री श्री कमल पटेल, कलेक्टर श्री सिध्दार्थ जैन, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री गजेन्द्र शाह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री दर्शन सिंह गहलोत, कृषि समिति के सभापति श्री ललित पटेल, जिला पंचायत की मुख्यकार्यपालन अधिकारी श्रीमति अंजलि जोसेफ जोनाथन, जनपद उपाध्यक्ष हरदा श्री गौरीशंकर शर्मा, सरपंच मगरधा श्री नंदलाल धुर्वे, उप संचालक पशु चिकित्सा श्री अजय रामटेके सहित अन्य अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद थे। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान कृष्ण की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर व दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा गौ-माता का विधिवत पूजन भी किया गया। उन्होंने गायों को स्नेह पूर्वक दुलारा और उन्हें गुड़ एवं मिष्ठान इत्यादि खिलाया। कार्यक्रम में गौशालाओं में कार्यरत गौ-सेवकों व गौ-प्रेमियों का शॉल व श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया।

विधायक श्री दोगने ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि हम बचपन में मां का दूध केवल दो-तीन वर्षों तक ही पीते हैं, जबकि गाय माता का दूध हम जीवन भर पीते हैं। अतः हमारे जीवन में मां से बड़ा स्थान गौ माता का होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जन्म देने वाली तीन लोगों को माता कहा गया है और उनको माता क्यों कहा गया एक मां वो जो हमको जन्म देती इसलिए उसको माता कहा गया है, दूसरी धरती माता जो अन्न पैदा करती है जिससे हमारा तिलक लगाया गया है और गौ माता जिनका जीवन भर हम दूध पीते हैं हमारी मां से बड़ी है गौ माता मां का दूध तो 9 महीने पीते हैं और बड़ा होता है साल भर पीते हैं और बड़े होते हैं पर गौ माता का दूध हम पूरे जीवन भर पीते हैं। उन्होंने कहा हम सब जागेंगे तब ही गौ माता की रक्षा हो सकेगी।

पूर्व मंत्री श्री कमल पटेल ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि सड़कों पर विचरण करने वाले निराश्रित गौ वंश के संरक्षण के लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि यह कार्य केवल शासकीय प्रयासों से संभव नहीं है इसके लिए सभी नागरिकों की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने कहा कि गाय माता में 33 करोड़ देवी देवताओं का वास होता है। गाय माता हमें दूध, गोबर, गोमूत्र सहित बहुत कुछ देती है। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री गजेन्द्र शाह ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि गायों के संरक्षण के लिए जनजागरुकता लाने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार ने गोवर्धन पूजा कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि दीपावली के दूसरे दिन गोवर्धन पूजा की परंपरा काफी प्राचीन है। गोवर्धन एवं गाय की पूजा प्रतीक रूप में होती है। वास्तव में यह प्रकृति की पूजा का भी पर्व है। लोक जीवन में गोवर्धन पूजा की समृद्ध परंपरा है, जिससे नई पीढ़ी को अवगत करवाने की दिशा में इस वर्ष शासन द्वारा विशेष प्रयास किए गए हैं। जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री दर्शन सिंह गहलोत ने इस अवसर पर अपने संबोधन में उपस्थित सभी को दीपावली पर्व और गौ-पूजन कार्यक्रम की शुभकामनाएं और बधाई दी। उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि दीपावली के दूसरे दिन गोवर्धन पूजा की परंपरा काफी प्राचीन है। गोवर्धन एवं गाय की पूजा प्रतीक रूप में होती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गौ संरक्षण और संवर्धन के लिए कृत संकल्पित है।

पुलिस स्मृति दिवस पर परेड आयोजित

सीहोर (निप्र)। पुलिस स्मृति दिवस परेड के अवसर पर आज सीहोर पुलिस लाइन पर शहीद अधिकारी एवं कर्मचारियों को श्रद्धांजलि दी गई। एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला ने बताया कि 66 वर्ष पूर्व सन् 1959 में सी.आर.पी.एफ. के जवानों की एक टुकड़ी चीन की सीमा पर लद्दाख के दुर्गम क्षेत्र हॉट स्प्रिंग नामक स्थान पर तैनात थी। 21 अक्टूबर को गश्त के दौरान चीनी सेना ने घात लगाकर इस टुकड़ी पर हमला कर दिया । सी.आर.पी.एफ. जवानों ने 16,000 फीट की ऊंचाई पर संसाधनों की कमी होने के बावजूद चीनी सेना का डटकर सामना किया और अपनी पोस्ट नहीं छोड़ी। इस हमले में सी.आर.पी.एफ. के 10 शूरवीर जवान वीरगति को प्राप्त हुए। उन्ही की स्मृति में प्रत्येक वर्ष 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस परेड का आयोजन किया जाता है। संपूर्ण भारतवर्ष में दिनांक 1 सितंबर 24 से 31 अगस्त 2025 तक विगत एक वर्ष में राज्य पुलिस बल, केंद्रीय पुलिस बल व अन्य पुलिस संगठनों के 191 अधिकारी एवं कर्मचारियों ने आंतरिक सुरक्षा बनाये रखते हुए कर्तव्य की वेदी पर अपने प्राणों की आहुति दी है, जिनके नाम का वाचन एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला द्वारा किया गया तथा श्रद्धांजलि अर्पित की गई। जिसमें 11 अधिकारी एवं कर्मचारी मध्यप्रदेश पुलिस के है। इस अवसर पर सूबेदार सुश्री प्राची राजपूत एवं उप निरीक्षण सुश्री सुनीता मेतवाल ने पुलिस स्मृति दिवस परेड की कमान संभाली और प्लाटूनों ने शहीदों को सलामी दी।

यह थे उपस्थित : इस अवसर पर एएसपी श्रीमती सुनीता रावत, मजिस्ट्रेट श्री दीपेंद्र मालू, जेल अधीक्षक सुश्री प्रतिभा पटेल, एसडीओपी सुश्री पूजा शर्मा, रक्षित केंद्र के उपेंद्र यादव, थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक रविंद्र यादव, थाना प्रभारी महिला थाना निरीक्षक माया सिंह, सूबेदार यातायात बृजमोहन धाकड़, उप निरीक्षण (आर्म्स) राहुल श्रीवास्तव उपस्थित थे। सभी ने शहीद पुलिस जवानों को याद करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की।

शहीद दिवस के उपलक्ष्य में शहीदों को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

बैतूल (निप्र)। शहीद दिवस के अवसर पर जिला पुलिस मुख्यालय बैतूल में आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में जिला सत्र न्यायाधीश बैतूल श्री दिनेश चंद्र थपलियाल के मुख्य आतिथ्य तथा पुलिस अधीक्षक बैतूल श्री वीरेंद्र जैन की उपस्थिति में शहीद परेड का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में जिला सैनिक कल्याण बोर्ड के अधिकारी, आदिम जाति विकास बोर्ड के अधिकारी मुख्य रूप में उपस्थित रहे। साथ ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती कमला जोशी, एसडीओपी बैतूल श्री सुनील लाटा, रक्षित निरीक्षक श्री दिनेश मर्सकोले, थाना प्रभारी कोतवाली श्री सत्य प्रकाश सक्सेना, थाना प्रभारी गंज श्री नीरज पाल, यातायात थाना प्रभारी श्री गजेंद्र केन सहित वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद रहे।

शानदार टर्न आउट के साथ हुआ शहीद परेड का आयोजन

कार्यक्रम का शुभारंभ शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीद पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को श्रद्धांजलि देने के साथ हुआ। इस अवसर पर पुलिस बल द्वारा शोक शस्त्र के साथ सलामी दी गई तथा उत्तम टर्न आउट के साथ शानदार परेड के माध्यम से शहीदों के प्रति गहरा सम्मान व्यक्त किया गया। पुलिस अधीक्षक श्री वीरेंद्र जैन ने शहीदों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि शहीद हमारे गौरव का प्रतीक हैं। उन्होंने अपने कर्तव्य के पालन में सर्वोच्च बलिदान दिया है। उनकी सेवा भावना और समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। हर पुलिसकर्मी को उनके आदर्शों का अनुसरण करते हुए समाज की सुरक्षा एवं न्याय की रक्षा के लिए पूर्ण निष्ठा और लगन से कार्य करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान शहीद हुए पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों के परिजनों को साल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। उपस्थित सभी अधिकारियों ने शहीद परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए यह आश्वासन दिया कि पुलिस विभाग सदैव उनके साथ खड़ा रहेगा। इस अवसर पर बैतूल पुलिस बल की ओर से उत्कृष्ट परेड का प्रदर्शन किया गया, जिसमें अनुशासन, एकरूपता और गरिमा का प्रभावशाली प्रदर्शन हुआ। कार्यक्रम में पुलिस बैंड द्वारा शोक धुन प्रस्तुत की गई, जिससे वातावरण भावनात्मक और श्रद्धामय बन गया। कार्यक्रम के सफल संचालन में रक्षित निरीक्षक बैतूल, श्री दिनेश मर्सकोले, यातायात प्रभारी श्री गजेंद्र केन, महिला आरक्षक एवं अन्य पुलिस बल के सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद के निर्णय

किसानों को जीरो प्रतिशत पर मिलता रहेगा तीन लाख रुपए तक का लोन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक गुरूवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए सहकारी बैंकों के माध्यम से शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर कृषकों को अल्पावधि फसल ऋण दिये जाने की योजना को निरंतर रखे जाने की स्वीकृति प्रदान की गयी। खरीफ 2025 सीजन की ड्यू डेट 28 मार्च, 2026 और रबी 2025-26 सीजन की ड्यू डेट 15 जून 2026 नियत की गयी है।

योजनान्तर्गत खरीफ एवं रबी सीजन की निर्धारित तिथि (ड्यू डेट) तक ऋण की अदायगी करने वाले किसानों से प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) द्वारा 3 लाख रूपये तक के दिये गये अल्पावधि फसल ऋण पर कोई ब्याज नहीं लिया जायेगा। राज्य शासन द्वारा सभी किसानों के लिए 1.5 प्रतिशत सामान्य ब्याज अनुदान और निर्धारित ड्यू डेट तक ऋण की अदायगी करने वाले किसानों को 4 प्रतिशत प्रोत्साहन स्वरूप अतिरिक्त ब्याज अनुदान दिया जायेगा। वर्तमान वर्ष में 23 हजार करोड़ रूपये वितरण का लक्ष्य रखा गया हैं।

एसडीजी मूल्यांकन योजना का अनुमोदन- मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश में सतत् विकास लक्ष्यों के क्रियान्वयन के लिए एसडीजी (सतत् विकास लक्ष्य) मूल्यांकन योजना को आगामी 5 वर्षों (वर्ष 2025-30 तक) के लिए स्वीकृत किये जाने का निर्णय लिया गया है।

योजना अंतर्गत सतत् विकास के लक्ष्यों का राज्य, जिला एवं विकासखंड स्तर पर स्थानीयकरण, क्रियान्वयन, अनुश्रवण एवं मूल्यांकन सुनिश्चित किया जाएगा। प्रदेश के सभी जिलों के सतत् विकास लक्ष्यों और उनके संकेतक के आधार पर डैशबोर्ड के माध्यम से रैंकिंग तय की जायेगी। डैशबोर्ड आधारित रैंकिंग अनुसार दो शीर्ष प्रदर्शन किये जाने वाले जिलों को पुरस्कार राशि का वितरण किया जाएगा। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले जिले को 1 करोड़ रुपए और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले जिले को 75 लाख रुपए की वित्तीय सहायता का वार्षिक प्रावधान किया जाएगा। चयनित जिला अपनी विशिष्ट आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए 17 सतत् विकास लक्ष्यों में से किसी भी लक्ष्य में सुधार के लिए पुरस्कार राशि का उपयोग कर सकता है। प्रदेश के ऐसे जिले जिनका रैंकिंग में प्रदर्शन कमजोर स्तर का होगा, उन्हें प्रदेश में चल रही कल्याणकारी योजनाओं की सहायता से विकास की मुख्य धारा में सम्मिलित किया जायेगा, जो प्रदेश के समग्र विकास में सहायक होगा। योजना पर 19 करोड़ 10 लाख रूपये (3 करोड़ 82 लाख प्रतिवर्ष) का अनुमानित व्यय होगा। उल्लेखनीय है कि योजना अंतर्गत सतत् विकास लक्ष्य, जिन्हें वैश्विक लक्ष्य भी कहा जाता है, वर्ष 2015 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2030 तक के 17 अंतर्राष्ट्रीय लक्ष्यों को तय किया गया है। सतत् विकास लक्ष्यों का उद्देश्य सामाजिक, आर्थिक एवं पर्यावरणीय संतुलन स्थापित करना है।

निवर्तन के लिए भूखण्ड का आरक्षित मूल्य कलेक्टर गाइडलाइन के 100 प्रतिशत क्षेत्रफल पर तय किये जाने का निर्णय

मंत्रि-परिषद द्वारा निवर्तन के लिए भूखण्ड का आरक्षित मूल्य कलेक्टर गाईडलाईन अनुसार शत-प्रतिशत क्षेत्रफल पर तय किये जाने का निर्णय लिया गया है। इससे राज्य शासन को अधिक राजस्व प्राप्त होगा। निर्णय अनुसार पुनर्घनत्वीकरण नीति 2022 की कंडिका 10.11 में संशोधन कर ऑफसेट मूल्य के निर्धारण में बदलाव की स्वीकृति दी गई। पहले 60 प्रतिशत क्षेत्रफल और 100 प्रतिशत कलेक्टर गाइडलाइन रेट पर ऑफसेट मूल्य का निर्धारण होता था, अब 100प्रतिशत क्षेत्रफल और 100 प्रतिशत कलेक्टर गाइडलाइन रेट पर ऑफसेट मूल्य का निर्धारण होगा। इससे विकास कार्यों के लिये अधिक राशि उपलब्ध होगी।

दक्षिण में बने सिस्टम का प्रदेश में असर

ग्वालियर-जबलपुर समेत 12 जिलों में बारिश; मैहर में बिजली गिरने से 2 की मौत

भोपाल (नप्र)। दक्षिण-पूर्वी अरब सागर में बने लो प्रेशर एरिया (निम्न दाब क्षेत्र) का असर मध्यप्रदेश के दक्षिणी हिस्सों के जिलों में भी है। पिछले 24 घंटे के दौरान ग्वालियर, जबलपुर समेत 12 जिलों में बूंदाबांदी और गरज-चमक का दौर रहा। ऐसा ही मौसम अगले 4 दिन तक बने रहने की संभावना है।

इधर, मैहर जिले के अरगट गांव में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक महिला और एक किसान की मौत हो गई। वहीं, अन्य दो किसान घायल हो गए। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, यह सिस्टम आगे बढ़ रहा है। इस वजह से प्रदेश में भी असर देखने को मिल सकता है। इसकी वजह से प्रदेश में मौसम बदला हुआ है। वहीं, उत्तरी हिस्से में दो साइक्लोनिक सकुर्लेशन (चक्रवात) और वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) भी सक्रिय है।

पता न बताने पर चार युवकों को चाकू मारे

एक का कान गले की नस भी कटी, गंभीर हालत में इलाज जारी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के छोला मंदिर इलाके में बुधवार देर रात बदमाशों ने युवक पर जानलेवा हमला कर दिया। आरोपियों ने चाकू से युवक का कान काट दिया। हमला केवल पता न बताने से नाराज होकर किया गया है। घायल का इलाज हमीदिया अस्पताल में चल रहा है। जबकि बीच बचाव करने के दौरान तीन युवक घायल हो गए। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक अभिषेक पंथी (24) शिव नगर में रहता है। शिव नगर में बुधवार की रात को पहुंचा था। यहां उसने कुछ युवकों को खड़ा देखा और अपने परिचित का पता पूछा। घायल के साथी अमित राय ने पुलिस को बताया कि रात को शिव नगर में मोहल्ले में खड़े थे, तभी वहां बदमाश आर्यन सौदा, गोविंद, इरशाद और संदीप सौदा पहुंचे थे, उनके हाथ में चाकू थे, सभी आरोपी इसी इलाके के रहने वाले थे, वह किसी बदमाश को मारने की नीयत से घूम रहे थे।

दोस्त को बचाने पहुंचा था अभिषेक

आर्यन ने किसी व्यक्ति का पता अभिषेक से पूछा था, उसके मना करने पर आर्यन ने गाली गलौज करते हुए विवाद शुरू कर दिया। यह देख अभिषेक पंथी के साथी अमित राय और दो साथी बीच बचाव करने आ गए। इस दौरान आर्यन ने अभिषेक के गले पर चाकू से वार कर दिया, जिससे उसके गले की नस और कान कट गया और वह लहूलुहान हो गया।

भोपाल की ऐतिहासिक ईदगाह पहुंचे वक्फ बोर्ड अध्यक्ष

परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगेंगे, गार्ड तैनात होंगे, अवैध कब्जे हटाने की तैयारी

भोपाल (नप्र)। राजधानी की ऐतिहासिक और एशिया की सबसे बड़ी ईदगाहों में शुमार भोपाल ईदगाह में बीते कुछ समय से असामाजिक तत्वों द्वारा नशाखोरी और अवैध गतिविधियों की शिकायतें सामने आने के बाद अब वक्फ बोर्ड ने सख्ती शुरू कर दी है। इसी कड़ी में मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सनव्वर पटेल खुद ईदगाह पहुंचे और पूरे परिसर का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डॉ. पटेल ने स्थानीय जिम्मेदारों से चर्चा की और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ईदगाह की पवित्रता और सुरक्षा बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी है। यह केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि हमारी आस्था का प्रतीक है। किसी भी तरह की असामाजिक या अपवित्र गतिविधि को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। डॉ. पटेल ने बताया कि ईदगाह परिसर और आसपास सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत नजर रखी जा सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि परिसर की सुरक्षा के लिए दीवारों और गेट की मजबूती के साथ स्थायी गार्ड तैनात किए जाएं।

वक्फ बोर्ड अध्यक्ष ने यह भी कहा कि ईदगाह के अंदर कई पुराने अवैध निवास और निर्माण पाए गए हैं, जिन्हें हटाने की कार्रवाई जल्द शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि ईदगाह के अंदर वॉशरूम और अवैध निवास

इसकी पाकीजगी को खत्म करते हैं। हमने ऐसे सभी मामलों का लीगल स्टेटस जांचने का निर्देश दिया है। जो भी लोग अवैधानिक रूप से रह रहे हैं, उन्हें हटाया जाएगा। डॉ. पटेल ने यह भी बताया कि बोर्ड द्वारा तैनात किए जाने वाले सुरक्षा गार्डों को ही परिसर में रूम दिया जाएगा और यह व्यवस्था केवल सेवा अवधि तक ही मान्य होगी। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि ईदगाह की पवित्रता बनी रहे और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

यह दिए निर्देश

- भोपाल ईदगाह में नशाखोरी और असामाजिक गतिविधियों पर वक्फ बोर्ड सख्त।
- परिसर में सीसीटीवी कैमरे और सुरक्षा गार्ड तैनात करने के निर्देश।
- अवैध निवासों को हटाने की तैयारी, पवित्रता बनाए रखने पर जोर।
- प्रशासन और पुलिस से सहयोग की अपील।

चित्रकूट में युवक को कनपटी पर गोली लगी, मौत

सुसाइड नोट मिला, बीमारी की वजह से तंग आकर की आत्महत्या

सतना (नप्र)। सतना जिले के चित्रकूट में एक शख्स की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसकी कनपटी पर गोली लगी थी। घटना बुधवार देर रात पालदेव गांव स्थित प्रसिद्ध मौरद्धवज आश्रम के पास की है। गुरुवार सुबह घटना की जानकारी मिलते ही चित्रकूट थाना प्रभारी डी आर शर्मा पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे।

फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। मृतक के पास से उसका आधार कार्ड मिला है, जिससे उसकी पहचान धर्मपाल, पिता जगपाल, निवासी पट्टी तिहाईयां, लुंब, बागपत, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है।

सुसाइड नोट से खुलासा, बीमारी की वजह से की आत्महत्या- धर्मपाल के पास से एक 315 बोर का कट्टा, तीन जिंदा कारतूस और एक सुसाइड नोट बरामद हुआ। सुसाइड नोट के अनुसार बीमारी से तंग आकर उसने आत्महत्या की। बताया जा रहा है कि वह अक्सर मोरध्वज आश्रम के आसपास देखा जाता था और वहीं समय बिताता था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है।

बाबा के पास दवा लेने जाता था- मृतक का जीवित समय का एक वीडियो सामने आया है। आश्रम के लोगों ने बताया कि वह असाध्य रोग से पीड़ित था। वह आश्रम महाराज हनुमानदास जी से दवाई लेने आया था। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि वह ठीक से बैठ एवं चल भी नहीं पा रहा है। वह हनुमानदास महाराज से बता रहा है कि चित्रकूट वह 15 दिन पहले आया था। लालापुर के लाल बाबा के इलाज के चक्कर में फंस गया।